Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 267 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 16 अप्रैल 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

बिना पूछे ने बोलें और पूछने पर असत्य न बोलें।

Don't speak unless asked and when asked don't tell lie.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

प्रशासनिक फेरबदल, रजत कुमार को बनाया गया सामान्य प्रशासन विभाग का सचिव

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर एक महत्वपूर्ण फेरबदल करते हुए सामान्य प्रशासन विभाग में बदलाव किया है। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री मुकेश कुमार बंसल को सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त करते हुए आईएएस अधिकारी श्री रजत कुमार सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग तथा सार्वजनिक उपक्रम विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार वाणिज्य एवं उद्योग (रेल परियोजनायें) विभाग को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी 17 अप्रैल को ओडिशा का दौरा करेंगे

ओडिशा (विसं)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 17 अप्रैल को विभिन्न कार्यक्रमों के लिए ओडिशा का दौरा करेंगे, ओडिशा के कानून, निर्माण एवं आबकारी मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने आज यह जानकारी दी। ओडिशा की अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी कटक शहर में रावेनशॉ विश्वविद्यालय में डॉ. हरेकृष्ण महताब स्मारक व्याख्यान में भाग लेंगे। दोपहर में, वह ओडिशा में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा किए जा रहे सभी परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 'विकसित बस्तर की ओर' विषय पर परिचर्चा का हुआ आयोजन

बस्तर को विकास की दिशा में आगे ले जाने के लिए कृषि पर देना होगा जोर : विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री ने कहा- मक्के की खेती के लिए बस्तर में असीम संभावनाएं

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया बस्तर के विकास का संकल्प व्यक्त, कलेक्टरों और अधिकारियों को कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन करने किया निर्देशित

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज जगदलपुर में 'विकसित बस्तर की ओर' विषय पर एक महत्वपूर्ण परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा बस्तर क्षेत्र के समग्र विकास हेतु विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत किया गया। जगदलपुर में आयोजित बस्तर की ओर परिचर्चा में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, सांसद श्री महेश कश्यप, विधायक श्री किरण सिंह देव, श्री विनायक गोयल, प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, संबंधित विभागों के सचिव, बस्तर संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर समेत बस्तर संभाग के किसान, कृषि उद्योग से जुड़े गणमान्य स्थानीय उपस्थित थे। इस अवसर पर किसानों, व्यापरियों कृषि से सम्बंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किये।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा की बस्तर को विकास की मुख्य धारा में शामिल करना है। बस्तर को विकास की दिशा में आगे ले जाने के लिए हमे खेती पर ज्यादा जोर देना है , विशेषकर यहां के सीमांत किसानों पर ध्यान देना है। श्री साय ने कहा कि बस्तर के लिए कृषि सबसे बेहतर विकल्प है, इससे स्थानीय जनजातियां जुड़ी हुयी है और लोग अपनी रुचि के अनुसार काम करेंगे तो उसमे सफल भी होंगे। कृषि के विकास के लिए हमने बजट में अतिरिक्त प्रावधान भी किया है।

मुख्यमंत्री ने विशेष जोर देते हुए कहा कि हमें मक्के की खेती को बढ़ाना पड़ेगा । ये कम लागत में तैयार होने वाली और ज्यादा मुनाफा देने वाली फसल है। मक्का के लिए बस्तर की जलवायु काफी अनुकूल है। इसके साथ ही यहां मिलेट्स उत्पादन का काफी ज्यादा स्कोप है, इसकी खेती पर हमे विशेष काम करना होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि बस्तर केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं है, यह संस्कृति, परंपरा, संघर्ष और संभावनाओं का संगम है। उन्होंने कहा कि बस्तर क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें सशक्त नीति, पारदर्शी प्रशासन और जनभागीदारी से साकार किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि बस्तर को हर दृष्टि से आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाया जाए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नक्सलवाद हमारे प्रदेश के लिए एक कलंक की तरह रहा है, केन्द्र सरकार के सहयोग से इसे समाप्त करने की दिशा में निर्णायक लड़ाई लड़ी जा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का संकल्प है कि 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद का समूल नाश किया जाए और छत्तीसगढ़ इस लक्ष्य की प्राप्ति में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी कहा कि नक्सलवाद केवल सुरक्षा की चुनौती नहीं है, बल्कि यह विकास की कमी का परिणाम है। इसलिए आवश्यक है कि हम बस्तर के हर गांव और हर व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ें और उन्हें पर्याप्त अवसर प्रदान करें।

परिचर्चा में कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार ने कृषि क्षेत्र के विकास संबंधी रोडमैप प्रस्तुत करते हुए कहा कि बस्तर की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने हेतु फसल विविधीकरण, जैविक खेती, सिंचाई सुविधा का विस्तार, कृषि यंत्रीकरण, फसल ऋण की सुलभता और कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन पर विशेष बल दिया जा रहा है। बस्तर संभाग में इस समय 2.98 लाख सक्रिय किसान परिवार हैं, जिनमें से 2.75 लाख को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल चुका है। योजना की 19वीं किस्त के रूप में 64.77 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। शेष पात्र परिवारों का सत्यापन कर उन्हें भी योजना से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि बस्तर में 7 कृषि विज्ञान केंद्र, 4 कृषि महाविद्यालय, 2 उद्यानिकी महाविद्यालय, 1 वेटरनरी पॉलीटेक्निक कॉलेज और 1 कृषक प्रशिक्षण केंद्र संचालित हो रहे हैं। इसके अलावा 29 उद्यान रोपणियाँ, 9 शासकीय मत्स्य प्रक्षेत्र, एक पोल्ट्री प्रक्षेत्र तथा एक शासकीय सुअर पालन केंद्र भी कार्यरत हैं। केसीसी कवरेज वर्तमान में 86 प्रतिशत तक पहुंच चुका है और आगामी तीन वर्षों में 1.25 लाख नए केसीसी जारी करने का लक्ष्य है।

बस्तर अंचल को सौगात : जगदलपुर में जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता कार्यालय का शुभारंभ

बस्तर अंचल के सिंचाई के कार्यों में आएगी तेजी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज बस्तर संभाग को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने जगदलपुर में जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता कार्यालय का शुभारंभ किया। इस कार्यालय के प्रारंभ होने से बस्तर संभाग के सभी सातों जिलों के विभागीय कामकाज में काफी सुविधा होगी। जल संसाधन से संबंधित निर्माण कार्यों के सर्वेक्षण, डीपीआर निर्माण और तकनीकी स्वीकृति में तेजी आएगी। पहले इन कार्यों की स्वीकृति के लिए रायपुर जाना पड़ता था। अब ये काम संभागीय मुख्यालय बस्तर में ही हो सकेंगे।

जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप के विशेष पहल से शुरू हुए जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता नवीन कार्यालय में विभिन्न स्तरों पर अधिकारी और कर्मचारी की नियुक्ति के लिए भी बजट में स्वीकृति दी गई है। वर्तमान में यह कार्यालय जगदलपुर के अधीक्षण अभियंता कार्यालय इंद्रावती परियोजना मंडल भवन के ऊपरी तल में संचालित हो रहा है। मुख्य अभियंता जल संसाधन कार्यालय के शुभारंभ अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप, सांसद बस्तर महेश कश्यप, विधायक जगदलपुर किरण सिंह देव, विधायक चित्रकोट विनायक गोयल, नगर निगम महापौर संजय पांडेय एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदमती कश्यप सहित अनेक जनप्रतिनिधि, जल संसाधन विभाग के प्रभारी मुख्य अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता के. एस. भंडारी और जल संसाधन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

संविदा कर्मचारियों को भी मिलेगा मातृत्व अवकाश का वेतन

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का फैसला

बिलासपुर (विसं)। संविदा पर काम करने वाली महिला कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश के दौरान वेतन से वंचित नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने यह अहम फैसला स्टाफ नर्स राखी वर्मा की याचिका पर सुनाया है, जो जिला अस्पताल कबीरधाम में संविदा पर कार्यरत हैं।

याचिकाकर्ता ने 16 जनवरी 2024 से 16 जुलाई 2024 तक मातृत्व अवकाश के लिए आवेदन किया था। उन्होंने 21 जनवरी को बच्ची को जन्म दिया और 14 जुलाई को पुनः ड्यूटी ज्वाइन कर ली, लेकिन उन्हें अवकाश अवधि का वेतन नहीं मिला। कोर्ट ने कहा कि मातृत्व का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 में जीवन के अधिकार के अंतर्गत आता है और यह केवल स्थायी कर्मचारियों तक सीमित नहीं है। मातृत्व की गरिमा की रक्षा करना शासन का दायित्व है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का हवाला देते हुए कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सिविल सेवा अवकाश नियम, 2010 के नियम 38 और अन्य निर्देशों के अनुसार राज्य शासन को तीन माह के भीतर उपयुक्त निर्णय लेने का आदेश दिया।

पीएम मोदी कश्मीर को देंगे बड़ी सौगात, 19 अप्रैल को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे

जम्मू (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 अप्रैल को रियासी जिले के कटरा कस्बे में श्री माता वैष्णो देवी रेलवे स्टेशन से कश्मीर के लिए बहुप्रतीक्षित ट्रेन का उद्घाटन करेंगे. प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से आज रेलवे और जम्मू-कश्मीर प्रशासन को इसकी पुष्टि भेज दी गई है.

इसके साथ ही कटरा के खेल स्टेडियम में तैयारियां शुरू हो चुकी हैं. यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के बाद जनसभा को संबोधित करेंगे. अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री 19 अप्रैल को सुबह 10 बजे उधमपुर पहुंचेंगे और उसके बाद वह दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल का प्रत्यक्ष अवलोकन करने के लिए चिनाब रेलवे ब्रिज के लिए उड़ान भरेंगे. इसके बाद पीएम मोदी वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के लिए कटरा के एसएमवीडी रेलवे स्टेशन जाएंगे. इस दौरान पीएम मोदी जनसभा को संबोधित करने के लिए कटरा के खेल स्टेडियम जाएंगे. एसएमवीडी रेलवे स्टेशन श्री वैष्णो देवी की तलहटी में स्थित है, जहां हर साल करीब 10 मिलियन श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं. देश भर के लोग और खास तौर पर कश्मीर घाटी के लोग लंबे समय से रेल संपर्क के जरिए जुड़ने का इंतजार कर रहे हैं, जिसने पिछले कई सालों में कई उतार-चढ़ाव देखे है.। कठिन पहाड़ी ट्रैक से गुजरते हुए रेलवे को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें रियासी जिले के बक्कल और कौरी गांवों के बीच चिनाब नदी पर पुल का निर्माण भी शामिल है, जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल बनकर इंजीनियरिंग का एक चमत्कार है.

272 किलोमीटर लंबी उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला-रेलवे-लाइन (यूएसबीआरएल) में 36 सुरंगें हैं, जो 119 किलोमीटर की दूरी तय करती हैं. इनमें से कुछ सुरंगें इतनी लंबी और जटिल हैं कि वे इंजीनियरिंग उत्कृष्टता में मील का पत्थर बन गई हैं. 12.77 किलोमीटर लंबी टी-50 सुंबर और खारी के बीच भारत की सबसे लंबी परिवहन सुरंग है.

कश्मीर को भारतीय रेलवे नेटवर्क से जोड़ना सदियों पुराना सपना है. कश्मीर घाटी में एक नैरो गेज रेल लिंक बनाने का पहला विचार एक सदी से भी पहले आया था. 1 मार्च 1892 को महाराजा प्रताप सिंह द्वारा जम्मू-श्रीनगर रेल लिंक की आधारशिला रखी गई थी. बाद में 1898 में महाराजा रणबीर सिंह ने इसकी आधारशिला रखी थी.

राज्य प्रशासनिक सेवा के 6 अधिकारियों के तबादले

रायपुर (विसं)। सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य प्रशासनिक सेवा के 06 अधिकारियों को प्रशासनिक आधार पर राज्य शासन ने स्थानांतरित किया है। यह आदेश सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव के द्वारा जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार श्री विनायक शर्मा महाप्रबंधक छत्तीसगढ़ संवाद को अपर कलेक्टर मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सुश्री ममता यादव को संयुक्त कलेक्टर, जांजगीर-चांपा से संयुक्त कलेक्टर, बिलासपुर, श्रीमती माधुरी सोम ठाकुर को उपायुक्त संभागीय कार्यालय बस्तर से संयुक्त कलेक्टर कोरबा, सुश्री स्निग्धा तिवारी संयुक्त कलेक्टर सारंगढ़-बिलाईगढ़ से संयुक्त कलेक्टर जांजगीर-चांपा, श्री अशोक कुमार मार्बल डिप्टी कलेक्टर कांकेर को डिप्टी कलेक्टर सारंगढ़-बिलाईगढ़ एवं सुश्री गीता रायस्त डिप्टी कलेक्टर कबीरधाम को उपायुक्त संभागीय कार्यालय बस्तर संभाग जगदलपुर में नवीन पदस्थापना की गई है।

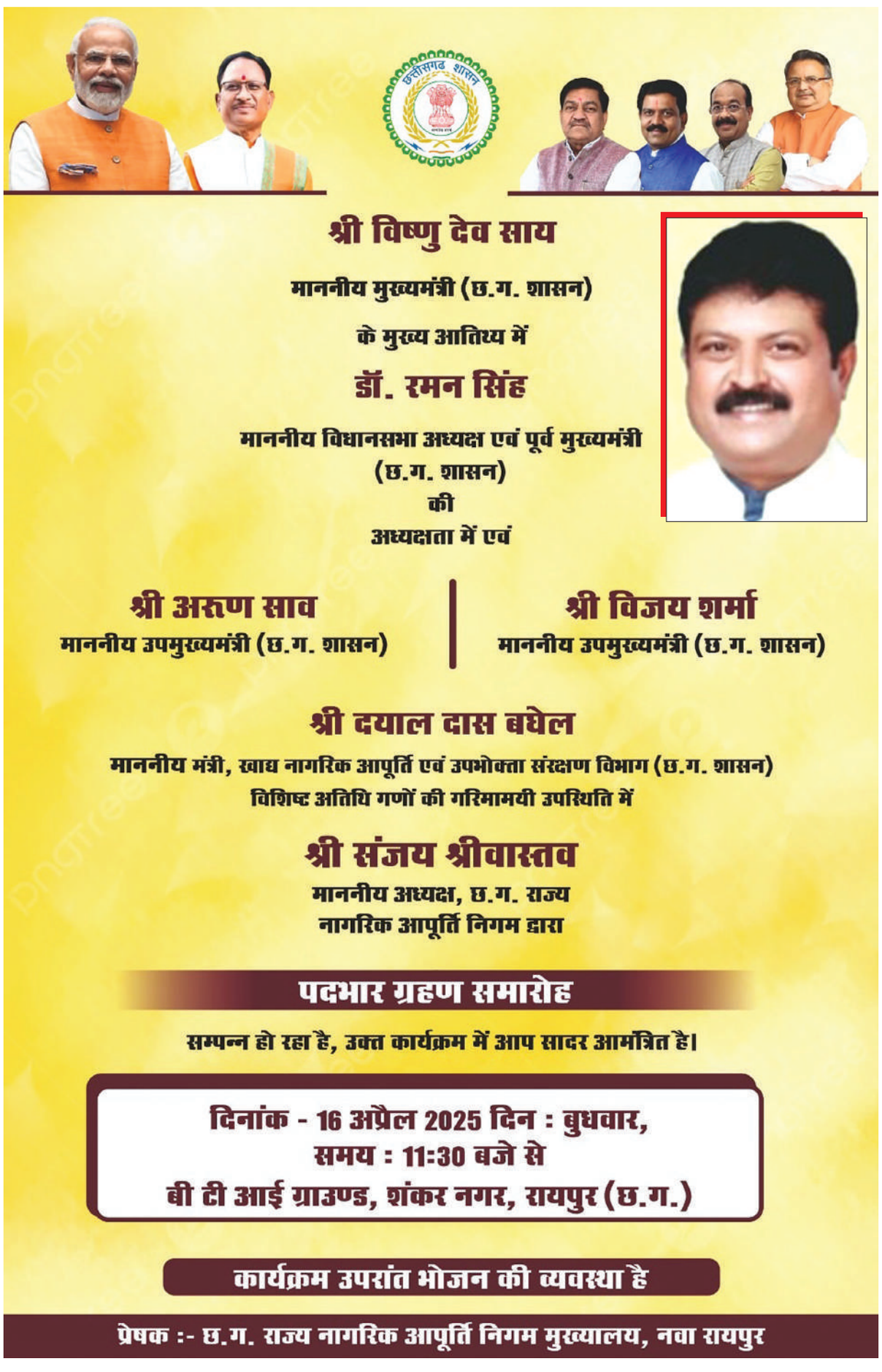

चौरसिया वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में परिचय सम्मेलन

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 15 अप्रैल 2025 को चौरसिया वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन सालासर बालाजी धाम रायपुर में आयोजित किया गया।

इस आयोजन में छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से भी लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

इस कार्यक्रम की मुख्य अध्यक्षता श्री रमेश लक्खू लाल चौरसिया के द्वारा किया गया और मुख्य अतिथि रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सुनील सोनी, विधायक धरमलाल कौशिक, विधायक पुरंदर मिश्रा के द्वारा की गई।

संसद ब्रजमोहन अग्रवाल ने समाज के लोगों को गरीबों और असहाय परिवार की शिक्षा और समाज को जागरूक करते हुए समाज को सभी धार्मिक कार्यों में आगे रहने के लिए कहा।

आयोजन के दौरान लगभग 2000 चौरसिया बंधु एकत्रित हुए और कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

राहुल गांधी ने मोडासा में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान का किया शुभारंभ

अहमदाबाद (आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार को दो दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंचे. अहमदाबाद पहुंचने के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय में एक बैठक में भाग लिया. इसके बाद राहुल गांधी अमरेली जिले के मोडासा गए और कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान का शुभारंभ किया.

इस मौके पर उन्होंने डिस्ट्रिक्ट ऑब्जरवर्स के ओरिएंटेशन प्रोग्राम में सभा को संबोधित किया. कांग्रेस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, संगठन सृजन अभियान के तहत पार्टी को हर स्तर पर मजबूत करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं और पार्टी लगातार उचित रणनीति तैयार कर रही है. संगठन सृजन अभियान का उद्देश्य पार्टी में नया जोश भरना, जिला कांग्रेस समितियों को सशक्त बनाकर संगठन को मजबूत बनाना और जवाबदेही की नई प्रणाली शुरू करना है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 2025 को संगठनात्मक सुधारों का वर्ष बनाने का आह्वान किया है. एक सप्ताह पहले अहमदाबाद में कांग्रेस कार्य समिति और अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की बैठक के दौरान भी इस प्रतिबद्धता को दोहराया गया था.

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, बुधवार 16 अप्रैल 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में चरौदा की अनामिका साहू जिला में तृतीय

आरंग (विश्व परिवार)। हरिद्वार द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा की कक्षा छठवीं की छात्रा अनामिका साहू जिला में तृतीय स्थान प्राप्त कर शाला का गौरव बढ़ाई है। शाला के वरिष्ठ शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल ने बताया प्रति वर्ष इस विद्यालय से सैकड़ों छात्र छात्राएं भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। शिक्षकों द्वारा भी नियमित रूप से भारतीय संस्कृति संबंधी जानकारी दिया जाता है। वहीं भिलाई हायर सेकंडरी स्कूल के प्राचार्य सीएल साहू, संकुल समन्वयक जीतेंद्र शुक्ला, प्रधान पाठक के के परमाल, वरिष्ठ शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल, अशोक चंद्राकर, सूर्यकांत चन्द्राकार, दीनदयाल धीवर, डिलेश्वर प्रसाद साहू शिक्षिका संगीता पाटले सहित बाल कैबिनेट की छात्र छात्राओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए अनामिका को शुभकामनाएं दिए हैं।

प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेश परीक्षा 20 अप्रैल 2025 को

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनांतर्गत प्रदेश के आदिवासी उपयोजना क्षेत्र तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं में सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु परीक्षा की तिथि निर्धारित की गई है। उक्त परीक्षा तिथि 20 अप्रैल को प्रात: 10.00 बजे से अपरान्ह 1:00 बजे तक होगा। प्रयास बालक एवं कन्या आवासीय विद्यालयों के सत्र 2025-26 की कक्षा 9वी में चयन परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र विभाग की वेबसाइट https://eklavya.cg.nic.in/PRSMS/Student-Admission-Detail पर जाकर 20 अप्रैल 2025 तक डाउनलोड कर सकते है।अधिक जानकारी के लिए कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास संयुक्त जिला कार्यालय बलौदाबाजार में संपर्क कर सकते है।

कलेक्टर दीपक सोनी ने दिव्यांग रतन लाल टंडन को मोटराईज्ड ट्राई सिकल प्रदान की

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने मंगलवार को समाज कल्याण विभाग के माध्यम से दिव्यांग रतन लाल टंडन को मोटराईज्ड ट्राई सिकल प्रदान किया। रतन लाल ने ट्राईसिकल मिलने पर कलेक्टर व शासन- प्रशासन को धन्यवाद दिया। विकासखंड पलारी अंतर्गत ग्राम सेम्हराडीह निवासी 35 वर्षीय रतन लाल टंडन पिता भावदास टंडन लगभग 80 प्रतिशत दिव्यांग है जिससे उसे चलने- फिरने में बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता है।रतन लाल ने बताया कि मोटराइज्ड ट्राईसिकल नहीं होने से आने -जाने एवं सामान्य दिनचर्या के कार्यो में रोजाना काफी दिक्क़त होती थी लेकिन अब मोटराइज्ड ट्राईसिकल मिल जाने से आने -जाने की समस्या दूर हो जाएगी। इस दौरान उप संचालक समाज कल्याण अरविन्द गेडाम एवं विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

दुर्ग बस स्टैंड में के सार्वजनिक प्याऊ घर (शीतल जल) प्रारंभ

दुर्ग (विश्व परिवार)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त डॉ. सोमनाथ यादव के निर्देश पर प्रदेश व्यापी इस कार्यक्रम में, राज्य उपाध्यक्ष श्रीमति सुनीता संजय बोहरा, अशोक देशमुख, जिला मुख्य आयुक्त श्री जीत यादव, श, श्रीमति वर्षा ठाकुर, श्रीमती हेमा चंद्रवंशी, श्रीमती सरस्वती गिरिया निर्देसानुसार एवं जिला संगठन आयुक्त स्काउट श्री बालक दास राऊत, श्रीमती अमिता हरमुख, श्री नीरज साहू, त्रिलोचंद चौधरी आदि उपस्थित थे इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता संजय बोहराने इस कार्य के लिए जिला संघ को बधाई दी और अधिक संख्या में शहर के चारों ओर शीतल प्याऊ घर चालू करने की बात रखी आज बस स्टैंड में प्याऊ घर सेवा की शुरुआत की गई। गर्मी दिन-ब-दिन बहुत बढ़ती जा रही है जिसमें आने जाने वाले राहगीर गर्मी से राहत पहुंचाने बस स्टैंड में एक और प्याऊ घर प्रारंभ किया गया जिसमें मोहन लाल साहू, श्रीमती नोमिन साहू, तृप्ति कश्यप, माया एस पेठकर, रेखा शर्मा, ऐश्वमीन बंजारे, एवं नीता त्रिपाठी, नदु यादव सहित स्काउटर गाइडर उपस्थित रहें।

पद्म पुरस्कारों के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित

दुर्ग (आरएनएस)। भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कार श्रृंखला के तहत ''पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पद्म श्री'' पुरस्कारों के लिए वर्ष 2026 हेतु पात्र व्यक्तियों से ऑनलाईन नामांकन प्रस्ताव httpÑ//awards.gov.in पर 31 जुलाई 2025 तक आमंत्रित किया गया है। वर्ष 2026 में ''पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पद्म श्री'' पुरस्कार प्रदान करने हेतु निर्धारित पात्रता एवं मापदण्ड के अनुरूप ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया है। पद्म पुरस्कार देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। यह पुरस्कार उत्कृष्ट कार्य करने वाले जैसे-कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक मामलों, नागरिक सेवा, व्यापार और उद्योग आदि में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों सेवा के लिए प्रदाय किया जाता है।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर में 'साइबर सुरक्षा और साइबर क्राइम' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग द्वारा साइबर सुरक्षा और साइबर क्राइम पर जागरूकता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों और कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के उपायों से परिचित कराना था।

कार्यशाला में सिविल लाइन्स थाना प्रभारी श्री रोहित मालेकर एवं एनआईटी रायपुर से डॉ. तीरथ प्रसाद साहू, एसोसिएट प्रोफेसर बतौर रिसोर्स पर्सन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर माननीय प्रो-चांसलर श्री एस.एस. बजाज, माननीय कुलपति प्रो. एस.के. सिंह एवं फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग के डीन प्रो. आर.आर.एल. बिराली जैसे विशिष्ट अतिथियों ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं राज्य गीत से हुई।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. एस.के. सिंह ने कहा, साइबर क्राइम तेजी से कई रूपों में विकसित हो रहा है। इसे रोकने के लिए तकनीकी जागरूकता और सतर्कता सबसे बेहतर उपाय हैं।

प्रति-कुलाधिपति श्री एस.एस. बजाज ने साइबर क्राइम से जुड़े अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को सतर्क और सजग रहने की सलाह दी।

श्री मालेकर ने अपने मुख्य वक्तव्य में कहा कि साइबर सुरक्षा केवल एक तकनीकी विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। युवाओं को डिजिटल नैतिकता को अपनाना चाहिए।

डॉ. साहू ने अपने तकनीकी सत्र में फिशिंग, डेटा चोरी, पासवर्ड सुरक्षा, सोशल मीडिया में सावधानियाँ और एथिकल हैकिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

कार्यक्रम के अंत में कार्यशाला समन्वयक प्रो. मिथीलेश सिंह ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञों और प्रतिभागी विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल ज्ञानवर्धक होते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियों का भी बोध कराते हैं।

यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए अत्यंत सूचनाप्रद, व्यावहारिक और प्रेरणादायी सिद्ध हुई, जिसे उन्होंने एक समयानुकूल और मूल्यवान पहल के रूप में सराहा।

सुशासन तिहार से प्राप्त आवेदनों का ईमानदारी और गंभीरता से करें निराकरण : प्रमुख सचिव श्री बोरा

रायपुर (विश्व परिवार)। आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने आज रायपुर, दुर्ग और सरगुजा संभाग के सहायक आयुक्तों की मैराथन बैठक ली। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार राज्य सरकार की महत्वकांक्षी पहल है। पहले चरण में 8 से 11 अप्रैल तक सामान्यजनों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। दूसरे चरण में एक माह के भीतर प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जाना है। श्री बोरा ने कहा कि जनहित में हमारा दायित्व है कि सुशासन तिहार से प्राप्त आवेदनों का पूरी ईमानदारी और गंभीरता से निराकरण किया जाए।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बैठक में कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर आदिम जाति विकास विभाग ने सुशासन की ओर एक कदम आगे बढ़ते हुए एक छात्रवृत्ति पोर्टल के रूप में 7 मई से नवीन व्यवस्था शुरू करने जा रहा है। इसके तहत अब छात्रवृत्ति के लिए फार्म भरने वाले छात्र-छात्राओं को फार्म भरते ही छात्रवृत्ति मिलना शुरू हो जाएगा। नवीनीकरण वाले छात्र-छात्राएं 7 मई से आवेदन करेंगे, उन्हें 15 जून के भीतर ही छात्रवृत्ति की पहली किस्त मिल जाएगी और जून-जुलाई में फार्म भरने वालो को अक्टूबर में और नवीन छात्र जो अगस्त-सितम्बर में फार्म भरेंगे, उन्हें नवम्बर दिसंबर में ही छात्रवृत्ति मिलना शुरू हो जाएगी। इस नवीन व्यवस्था से शासकीय और निजी संस्थाओं में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को काफी लाभ मिलेगा।

दरअसल बात यह है कि पहले विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति फार्म भरने के बाद कई महीनों तक इंतजार करना पड़ता था। ज्यादातर फरवरी-मार्च में ही छात्रवृत्ति प्रदान किए जाने की परंपरा रही है। इससे मंहगी फीस वाले संस्थाओं में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं को फीस जमा करने में परेशानी होती थी।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की 134वीं जन्म जयन्ती हर्षोल्लासपूर्वक मनाई गई

14 अप्रैल अमर रहे.. बाबा साहब अमर रहे...अमर रहे की जयघोष से गुंजा नगर

द्वीप प्रज्जवलन व केक काटकर मिठाई वितरण किया

जशपुरनगर (विश्व परिवार)। अजाक्स संगठन, जय सतनाम कल्याण परिषद एवं रविदास कल्याण परिषद के संयुक्त तत्वाधान में भारत रत्न बोधिसत्व विश्वरत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की 134वीं जन्म जयन्ती अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि जशपुर विधायक रायमुनी भगत, अध्यक्षता अरविंद भगत, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जशपुरनगर एवं गणमान्य नागरिक आशुतोष रॉय के विशिष्ट आतिथ्य में जशपुरनगर के हृदयस्थल अम्बेडकर चौक में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के द्वारा बाबा साहब के आदमक़द मूर्ति पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित किया।

गया। बी पी जाटवर ने स्वागत भाषण के साथ संविधान के मौलिक अधिकार एवं कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। संजयदास ने उद्बोधन में बाबा साहब के एक कोटेशन शिक्षा शेरनी का दूध है जो जितना पियेगा हर मंच में उतना दहाड़ेगा साथ में विद्यार्थियों को शिक्षा हर हाल में ग्रहण करनी चाहिए ये बातें कही। अधीक्षक डी एस टंडन, ममता चौधरी एवं सरोज डाहीरे एवं नगर पालिका परिषद पार्षद कमला बाई के द्वारा बाबा साहब के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला गया। नन्ही बालिका कु. अर्चना पाटले एवं कु. जयती डाहीरे के द्वारा कविता एवं इंग्लिश में स्पीच भी प्रस्तुत की गई। राजेन्द्र प्रेमी के द्वारा बाबा साहब के जीवन दर्शन को स्वरचित गीत के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। ललिता यादव के द्वारा उद्बोधन दिया गया साथ ही देश भक्ति गीत की प्रस्तुति दी गई। कदमटोली (पतराटोली) के बालिका नृत्य दल द्वारा बेहतरीन प्रस्तुति दी गई।

कलेक्टर दीपक सोनी ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

रणनीति बनाकर समय-सीमा में आवेदनों का करें निराकरण : कलेक्टर

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक सोनी ने मंगलवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय - सीमा की बैठक में विभागीय कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने सुशासन तिहार अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का रणनीति बनाकर समय- सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने कहा कि सुशासन तिहार अंतर्गत प्राप्त आवेदनों में मांग और शिकायत के आवेदन शामिल हैं। मांग से सम्बधित आवेदनों का निराकरण योजना के नियमानुसार एवं बजट उपलब्धता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण करें। शिकायत से सम्बधित आवेदनों का गंभीरतापूर्वक निराकरण करें। किसी कर्मचारी की शिकयत हो तो उस पर यथोचित कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि आवेदनों के निराकरण के लिए विभागवार एसओपी तैयार कर ले ताकि शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निरकारण शीघ्रता से हों सके। कलेक्टर ने कहा कि सुशासन तिहार के दौरान जिला मुख्यालय सहित मैदानी अमले अनिवार्य रूप से अपने मुख्यालय में रहना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सुशासन तिहार के अंतिम चरण अंतर्गत आयोजित होने वाले समाधान शिविर की तैयारी की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक विकासखंड से 10 -10 ग्राम पंचायतें समाधान शिविर के लिए चयनित किये गये है। इन ग्राम पंचायतों में केंद्र एवं राज्य सरकार की सभी योजनाओं का संतृप्तिकरण करें। एसडीएम एवं जनपद सीईओ दौरा करें और वहां की मूलभुत समस्याओं का समाधान करें। इसीतरह शिविर अंतर्गत क्लस्टर के ग्राम पंचायतों एवं क्लस्टर में शामिल ग्राम पंचायत के नजदीकी ग्राम पंचायतों की समस्याएं भी दूर करें। उन्होंने मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, जनशिकायत एवं समय सीमा के आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये। बैठक में डीएफओ मयंक अग्रवाल, सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ति गौते, मिथलेश डोंडे सहित एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ, एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने जगदलपुर के गांव से किया 'मोर दुआर-साय सरकार' महाअभियान का शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज बस्तर जिले के ग्राम घाटपदमपुर से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण के लिए प्रदेशव्यापी मोर दुआर-साय सरकार महाभियान का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री इस दौरान उन्होंने घाटपदमपुर के कई हितग्राहियों के घर पहुंचकर स्वयं सर्वेक्षण किया। मुख्यमंत्री के गांव पहुंचने पर ग्रामीणों में भारी उत्साह दिखाई दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को पक्का और सुरक्षित घर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण कार्य समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पूरा किया जाएगा, ताकि हर जरूरतमंद को योजना का लाभ मिले।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण आवास प्लस 2.0 के तहत सर्वेक्षण के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के विशेष पहल पर 15 दिवसीय मोर दुआर-साय सरकार महाभियान शुरू किया गया है। यह अभियान 30 अप्रैल तक चलेगा। मोर दुआर-साय सरकार महाभियान का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के ऐसे ग्रामीण परिवारों की पहचान करना है, जिन्हें अब तक किसी भी आवासीय योजना के तहत पक्का आवास नहीं मिल सका है। उन्हें पक्के आवास की सुविधा उपलब्ध कराना है। इस महाभियान में राज्य के प्रत्येक गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना प्लस 2.0 के हितग्राहियों के सर्वेक्षण का कार्य पूरा किया जाएगा, ताकि योजनांतर्गत आवास की स्वीकृति एवं निर्माण कार्य कराया जा सके। यह महाभियान तीन चरणों में संचालित होगा।

3 नवीन कानून के लिए प्रशिक्षण सत्र का हुआ आयोजन

बिलासपुर-रायपुर (विसं)। दिनांक 01 जुलाई, 2024 से लागू हुए 03 नवीन कानून - भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम विषय पर छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, दूरसंचार इकाई तथा विशेष शाखा के अधिकारियों को भी प्रशिक्षण दिये जाने के अनुक्रम में दिनांक 15 अप्रैल, 2025 को डॉ. संजीव शुक्ला भापुसे, पुलिस महानिरीक्षक, बिलासपुर रेंज के निर्देशन पर रेंज पु.म.नि. कार्यालय बिलासपुर में इन इकाईयों के राजपत्रित अधिकारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ रेंज पु.म.नि. बिलासपुर डॉ.संजीव शुक्ला भापुसे द्वारा किया गया जिनके द्वारा अपने उद्बोधन में बताया गया कि नये कानून भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 अंतर्गत बहुत से प्रावधानों में परिवर्तन हुए हैं कुछ नये प्रावधान जोड़े भी गये हैं, डिजीटल साक्ष्य को ग्राह्य किया गया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

शुद्धिपत्र

निविदा सूचना क्र.: 110-06-एमयूआई-आरएसपी-25, दिनांक 19.03.2025

कार्य का नामः- डीजल लोको शेड-रायपुर में एचएचपी लोकोमोटिव के यूनिट इंजेक्टर सेट की ओवरहालिंग/पुनर्वास।

निविदा और समय की तिथिः 17.04.2025 को 13:00 बजे, **संशोधित समाप्ति तिथि और समयः 26.04.2025** को 11:00 बजे

वरि.मं.या.इंजी.(डीएलएस)
पीआर/आर/डीएलएस/एएन/11 द.पू.म.रे., रायपुर

South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./19759/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 15-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19759
वार्ड का नाम- 59 - मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **59** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR653N0124D** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SMT. PUSHPA DEVI RATHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DINESH RATHI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KHEMRAJ SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE NAROTTAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./19750/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 15-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19750
वार्ड का नाम- 59 - मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **59** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR653E00065** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **PRITISH RAY PARMESH RAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AMULYA RAY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1) PRITISH RAY 2) URMILA RAY** पिता/पति श्री/श्रीमती **1) LATE AMULYA RAY 2) W/O PRITISH RAY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MALMA BIKRINAMA** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.),
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है, कि **दीनदयाल आवास योजनांतर्गत परसुलीडीह रायपुर**, स्थित भवन **क्रमांक एल.आई.जी.-272 श्री मांगीलाल प्रजापत पिता श्री बाबूलाल प्रजापत,** के नाम से आबंटित किया गया। आबंटी द्वारा **दिनांक 02.07.2013** को लीजडीड पंजीकृत कर, पूर्ण मूल्य जमा कर इस कार्यालय के पत्र **क्रमाक 2295 दिनांक 31.12.2016** के माध्यम से आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया । उक्त भवन को **क्रेता श्रीमती प्रियंका प्रधान पति श्री अजय कुमार गुप्ता के नाम पर दिनांक 18.07.2019** को विक्रय कर इस कार्यालय के **पत्र क्रमांक 78 दिनांक 07.04.2025** के द्वारा नामांतरण किया गया। वर्तमान में नामांतरी **श्रीमती प्रियंका प्रधान पति श्री अजय कुमार गुप्ता निवासी केम्प-1, 18 न. रोड लास्ट भिलाई दुर्ग (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को **श्रीमती धनेश्वरी साहू, पति श्री दिनेश्वर साहू निवासी म.न. 160, शीतला चौक, भैंसमुड़ी, रायपुर (छ.ग.)** को विक्रय करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधेहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

1. छत्तीसगढ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, रायपुर
// बिजली बंद की सूचना //

समस्त सम्मानीय उच्चदाब एवं निम्नदाब उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि भैंसा वितरण केन्द्र के अंतर्गत आने वाले 33/11 के.व्ही. विद्युत लाईन में मानसून पूर्व आवश्यक सुधार कार्य एवं मरम्मत कार्य हेतु लाईन बंद होने निचे तालिका में दर्शित दिनॉक को सुबह 08.00 से दोपहर 02.00 बजे तक विद्युत प्रवाह बंद रहेगा, जिसके कारण फिडर से निकलने वाले समस्त दर्शित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी। आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

क्र.	दिनॉक	11/33 के.व्ही. फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र (गांव)
1	24.04.2025	11 के.व्ही. भैंसा फीडर	करमा, अछोली, भटिया, खारेसी, भैंसा
2	25.04.2025	11 के.व्ही. कुम्हारी फीडर	खपरीडीह, मजीठा, कुम्हारी, चिंगरिया, मोतिमपुरकला, लांजा, परसवानी, आलेसुर
3	26.04.2025	11 के.व्ही. कनकी ग्रामीण फीडर	भैंसा, पाड़ाभाट, कनकी, देवरतिल्दा, पण्डा, परसवारी, घोरभट्ठी, भेजरीडीह
4	28.04.2025	11 के.व्ही. पम्प फीडर	पम्प उपभोक्ता

Credible Chhattisgarh
विश्वसनीय छत्तीसगढ़
विद्युत संबंधित शिकायतें केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर के फोन नं0 1912 पर दर्ज कराऐं।

असुविधा के लिए खेद है

(धनंजय कुमार वर्मा)
कर्मचारी संख्या-92315604
कार्यपालन यंत्री (संचा0 / संधा0)
संभाग छ0स्टे0पॉ0डि0कं0लि0, रायपुर

विद्युत चोरी एक दण्डनीय अपराध हैं कृपया इससे बचे स्वहित एवं राष्ट्र हित में उर्जा बचाइए

SAMVAD- 43538/ 2

त्रुटी सुधार

सूचित किया जाता है कि हमारे दैनिक अखबार द्वारा **12/4/2025** को नगर पालिक निगम रायपुर का **"EOI"** प्रकाशित किया गया था जिसमें **भूलवश क्रमांक (Ref) 74 की जगह क्र. 4 प्रकाशित** हो गया था कृपया उसे **74 पढ़ा** जाए।

नोट - बाकी नियम व शर्त यथावर्त रहेंगे।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक 07

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर बुधवार 16 अप्रैल 2025

सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

बिलासपुर(विश्व परिवार)। बिलासपुर सहित पूरे प्रदेश में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित किया गया। सभी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के संबोधन को सुना। जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, विधायक कोटा अटल श्रीवास्तव, महापौर पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, उपाध्यक्ष ललिता संतोष कश्यप, जिला पंचायत सदस्यगण, प्रभारी कलेक्टर अमित कुमार, सीईओ जिला पंचायत संदीप अग्रवाल, जनपद पंचायत के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, समाज प्रमुख महेश चंद्रिकपुरे, बसंत अंचल मौजूद थे। कार्यकम की शुरूआत भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। कार्यक्रम में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया । कार्यक्रम में हर विकासखण्ड से चयनित 10 ग्राम पंचायतों के सरपंचों और सीएससी-वीएलई सेवा प्रदाताओं के मध्य एमओयू (सहमति पत्र) पर हस्ताक्षर किए गए। डिजिटल सुविधा केन्द्र का उद्देश्य ग्राम पंचायत कार्यालयों को डिजिटल सुविधा केन्द्र के तौर पर विकसित करना है। इन सुविधा केन्द्र में ग्रामीणों को अब बहुत सारी सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिल सकेंगी। वे अपने खाते से पैसे आसानी से निकाल सकेंगे, अपने खाते से किसी अन्य के खाते में पैसे भेज सकेंगे, बिजली पानी बिल का भुगतान कर सकेंगे, तथा पेंशन बीमा जैसी अनेक सुविधाओं का लाभ अपने पंचायत में ही ले सकेंगे। 24 अप्रैल को पंचायत राज दिवस के अवसर पर डिजिटल सुविधा केन्द्र का शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि बाबा साहब का संपूर्ण जीवन संघर्ष का अनुपम मिसाल है। उन्होंने हमें एक ऐसा संविधान दिया जो भारत को लोकतंत्र, समानता और न्याय की मजबूत नींव प्रदान करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा जनहितैषी अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। केंद्र और राज्य सरकार सुशासन के लिए वचनबद्ध हैं। कार्यक्रम को कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव और महापौर पूजा विधानी ने भी संबोधित किया। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पंचायत एंबेसडर की भूमिका को और प्रभावी बनाने हेतु कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई । उन्हें कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। जहाँ एंबेसडर नियुक्त नहीं हैं, वहाँ उपयुक्त प्रतिनिधि का चयन कर उन्हें नियुक्त किया जाएगा। मोर दुआर साय सरकार महाअभियान की शुरूआत**15 से 30 अप्रैल तक चलने वाले विशेष पखवाड़ा के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत चल रहे सर्वेक्षण कार्य की जानकारी लाभार्थियों तक पहुँचाने और योजना की पात्रता संबंधी जानकारी देने महाअभियान की शुरूआत की गई। भूजल संरक्षण हेतु जनजागरूकता बढ़ाने और जल संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। विधायक धर्मजीत सिंह ने जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए वाटर हार्वेस्टिंग अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप अग्रवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के स्थाई प्रतीक्षा सूची एवं आवास प्लस सूची में छूटे हुए ग्रामीण परिवारों को लाभान्वित करने हेतु इनकी पहचान के लिए सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा है। प्रत्येक ग्राम पंचायत हेतु पीएम आवास एंबेसडर नियुक्त किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

लटोरी क्षेत्रों से अवैध गिट्टी परिवहन करते हुए 3 वाहन किया गया जप्त

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार खनिज अमला सूरजपुर द्वारा खनिजों के अवैध परिवहन की रोकथाम पर लगातार कार्यवाही करते हुए ग्राम खड़गवाँकला, लटोरी क्षेत्रों से अवैध गिट्टी परिवहन करते 3 वाहन जप्त कर पुलिस थाना अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है। इन सभी अवैध परिवहनकर्ताओं पर खनिज नियमों के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।

एसईसीएल में एक साथ खदान बन्दी -भूविस्थापित एकताबद्ध आंदोलन से ही समस्याओं का समाधान

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति के अध्यक्ष सपुरन कुलदीप ने 16 अप्रैल की कोयला उद्योग में भूविस्थापित आंदोलन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि एसईसीएल मुख्यालय में एसईसीएल के 7 क्षेत्रों के प्रभावितों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया था और एक साथ एक ही दिन आंदोलन की नोटिस जारी कर अपनी एकता का परिचय दिया है कल होने वाली हड़ताल से मिट्टी ,कोयला और परिवहन कार्य पूरी तरह से प्रभावित होगी और इस आंदोलन से ही कम्पनी स्तर पर पुनर्वास नीति में संशोधन का रास्ता निकल कर आएगा । उन्होंने 2021 में हुए आंदोलन और उसके बाद 2022 में संशोधन का जिक्र करते हुए बताया कि पुराने लंबित रोजगार,मुआवजा में बढ़ोतरी, भूविस्थापित टेंडर , जैसी महत्वपूर्ण निर्णय आने से किसानो को लाभ हुआ था । आवेदन करते करते थक चुके हैं बिना आंदोलन के बहरी प्रबन्धन को सुनाई नही देती इसलिए यह आंदोलन जरूरी है उन्होंने सभी भूविस्थापित और संघर्ष के साथ जुड़े संगठनों से भी इस आंदोलन में शामिल रहने का आव्हान किया है ।

शत्रु संपत्ति मामलों पर कैम्प न्यायालय लगाकर कलेक्टर ने की सुनवाई

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- जिला सूरजपुर के तहसील भटगांव अंतर्गत ग्राम चंद्रमेढ़ा में स्थित शत्रु संपत्ति मामले के निराकरण के संबंध में कलेक्टर एवं पदेन उपअभिरक्षक श्री एस.जयवर्धन द्वारा एक दिवसीय कैंप न्यायालय का आयोजन कर मामलों की सुनवाई की गई। वर्तमान स्थिति के अनुसार भटगांव तहसील क्षेत्र में शत्रु संपत्ति भूमि तहसील के जिन लोगों के नाम पर दर्ज है अथवा कब्जे में है, उनके पक्ष को जानने के लिए कैंप न्यायालय का आयोजन किया गया। इस कैंप न्यायालय का आयोजन ग्राम पंचायत भवन चंद्रामेढ़ा में किया गया । इस दौरान उपस्थित एवम संबंधित लोगों का पक्ष सुना गया। इस अवसर पर तहसीलदार भटगांव एवं राजस्व निरीक्षक भटगांव सहित अधीक्षक भू अभिलेख सूरजपुर एवं पक्षकार व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उद्योग मंत्री देवांगन ने कार्यकर्ताओं के साथ लगाया झाड़ू, दिया स्वच्छता का संदेश

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले में भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर कोसाबाड़ी मंडल द्वारा 13 अप्रैल को भव्य स्वच्छता एवं दीप प्रज्वलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन घंटाघर चैक स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर किया गया, जिसमें पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके मार्गदर्शन में कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा स्थल की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। झाड़ू लगाकर, पानी से धोकर तथा माल्यार्पण कर डॉ. अंबेडकर को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल संविधान निर्माता नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन के अग्रदूत हैं, और उनका जीवन आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा है। इसी कड़ी में शाम 6 बजे दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ और राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत-प्रोत रहा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष डॉ. राजेश राठौर, पार्षद नरेंद्र देवांगन, अ.जा. मोर्चा के जिला संयोजक सरजू अजय, लक्ष्मीकांत जोशी, महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती मंजू सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेंद्र पाटनवार, एमआईसी सदस्य ममता यादव, पार्षद अजय गोंड, प्रकाश अग्रवाल, लालेश दुबे, अनिल वस्त्रकार, दिनेश वैष्णव, सुमन सोनी, पंकज देवांगन, स्वाति कश्यप, पुष्प कला, संजीव शर्मा, शिव चंदेल, तुलसी सूर्यवंशी, राखी तिवारी, सिम्मी भामरा, निर्मला चक्रधारी, किया सेन गुप्ता, प्रीति चैहान, दीनू वैष्णव, जय लहरे, सुशील गर्ग, धरमपाल पाल सोलंकी, प्रताप सिंह कंवर, पार्षद गोपलाल राठिया, नवीन जयसवाल, तृप्ति सरकार, केशव सिंह, सौरभ दुबे, खिक राम यादव, विनोद तिवारी, चंचला राठौर, शिव जायसवाल, राजेश लहरे, पवन सिन्हा, धनसाय साहू, पूर्व पार्षद नीरज ठाकुर तथा भरत सोनी सहित बड़ी संख्या में अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कबीरधाम के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर लहराया तिरंगा, पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह ने किया सम्मानित

कवर्धा(विश्व परिवार)। जिले के होनहार खिलाड़ियों ने नेपाल के पोखरा शहर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बॉडीबिल्डिंग और वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का परचम बुलंद किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह ने सभी विजेता खिलाड़ियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाई दी। पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह ने कहा कि इन युवाओं की मेहनत, समर्पण और लगन आज हम सबके लिए प्रेरणास्रोत हैं। इनकी उपलब्धि से न सिर्फ हमारा जिला, बल्कि पूरे प्रदेश और देश का नाम रोशन हुआ है। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह ने कहा कि खेल केवल शारीरिक शक्ति का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह अनुशासनए धैर्य और आत्मविश्वास का प्रतीक है। हमारे जिले के युवाओं ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर जो सफलता प्राप्त की है, वह यह दर्शाता है कि अगर संकल्प और सही मार्गदर्शन हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। अंतरराष्ट्रीय संयुक्त भारतीय खेल संघ द्वारा 3 से 7 अप्रैल तक नेपाल के पोखरा में आयोजित इस प्रतियोगिता में भारत समेत पाकिस्तान, भूटान, वर्मा, श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल जैसे कुल सात देशों के 300 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। भारत की ओर से छत्तीसगढ़ राज्य के कबीरधाम जिले के चार खिलाड़ियों ने भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया। जिले के सूरज राजपूत ने बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में सात देशों के प्रतिभागियों को पछाड़ते हुए इंटरनेशनल मिस्टर ओवरऑल का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले भी वे मिस्टर छत्तीसगढ़, सीनियर नेशनल बॉडीबिल्डिंग, और पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुके हैं। सूरज राजपूत वर्तमान में कबीरधाम के भारत हेल्थ क्लब में कोच की भूमिका में रहते हुए लगभग 50 खिलाड़ियों को नि:शुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं।

संदीप सरकार बंग समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सूरज दास मीडिया प्रभारी नियुक्त

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- छत्तीसगढ़ बंग समाज कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष श्री रामू घोष एवं संरक्षक और सलाहकार समिति के द्वारा सूरजपुर जिले से संदीप सरकार को छत्तीसगढ़ बंग समाज कल्याण समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष,, और सूरज दास को छत्तीसगढ़ बंग समाज के मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है जिससे सूरजपुर जिले के बंग समाज ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संदीप सरकार एवं सूरज दास को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है द्य

माटी कला बोर्ड अध्यक्ष सभी ग्लेजिंग यूनिट में कर रहे हैं दौरा

अपनी पारंपरिक पेशे को लेकर कुम्भकार समाज की बढ़ी उम्मीदें

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-छत्तीसगढ़ प्रदेश में बोर्ड, आयोग और निगम में अध्यक्षों की नियुक्ति पूरी हो गई है द्य सभी नवनियुक्त अध्यक्षों ने प्राय: अपना पदभार भी संभाल लिया है द्य ऐसे में माटी कला बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष शंभूनाथ चक्रवर्ती ने बोर्ड की जिम्मेदारी संभालते ही अपना दौरा तेज़ कर दिया है द्य इसी कड़ी में उन्होंने तेलईकछार स्थित ग्लेजिंग यूनिट का दौरा किया जहां कुम्भार समाज के प्रतिनिधियों और माटीकला के शिल्पकारों के द्वारा उनका आतिथ्य स्वागत किया द्य समाज द्वारा आयोजित मंचीय कार्यक्रम में शामिल हुए द्य सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने माटी कला बोर्ड के दयनीय स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि माटी कला बोर्ड के उद्देश्यों पूरा करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी द्य इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी ग्लेजिंग यूनिट के बदहाल व्यवस्था को सुधार कर सभी तापभट्ठियों को शीघ्र चालू करने का प्रयास किया जाएगा द्यएक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ग्लेजिंग यूनिट को ठेका प्रथा के माध्यम से संचालन करने की योजना उचित नहीं है द्य इसके अलावा उन्होंने कहा कि कुंभकार समाज और माटी शिल्पकारों के उत्थान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा द्य इस अवसर पर कुम्हार समाज विकास समिति के जिलाध्यक्ष भागवत प्रजापति, संगठन मंत्री सरजू प्रजापति, महामंत्री संतोष प्रजापति, ग्राम समिति अध्यक्ष राधेकृष्ण प्रजापति, दिनेश प्रजापति ,रितेश प्रजापति, संतलाल प्रजापति,रामनारायण प्रजापति, अनिल प्रजापति , विकास अधिकारी प्रमोद डेविड, मास्टर ट्रेनर क्षीरसागर पाण्डेय, श्रीमती उर्मिला प्रजापति, सुषमा प्रजापति एवं चंदा प्रजापति सहित कुम्भकार समाज सैकड़ों कार्यकर्ता और शिल्पकार मौजूद रहे।

दलित क्षेत्रों में वी. एम. कालेज ऑफनर्सिंग स्वास्थ्य कार्यक्रम चलायेगा

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) वीएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग बिश्रामपुर में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के उपलब्धियों एवं राष्ट्र के विकास में दिये गये योगदान को याद किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ आस्था महंत व डायरेक्टर श्री विजयराज अग्रवाल व प्राचार्य श्री आदित्य सिंह जी द्वारा दीप प्रज्वलन और डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन, उनके सामाजिक योगदान और संविधान निर्माण में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान पर भाषण प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत गीत, कविता पाठ, और नाट्य मंचन भी आयोजित किए गए, जिनमें डॉ. अंबेडकर के विचारों और संघर्षों को दर्शाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डा0 आस्था महंत ने अपने उदबोधन में कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने छुआछूत की पीड़ा को बचपन से ही सहा था। जाति प्रथा और ऊंच-नीच के भेदभाव को उन्होंने न सिर्फ महसूस किया, बल्कि उसके कारण कई बार अपमान का सामना भी किया। इसी अन्याय के खिलाफउन्होंने जीवनभर संघर्ष किया। उनका उद्देश्य था कि निम्न जातियों को छुआछूत जैसी अमानवीय प्रथा से मुक्त किया जाए और समाज में उन्हें समान अधिकार व सम्मान दिलाया जाए। 1920 के दशक में मुंबई में दिए गए एक भाषण में उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा था, ‘जहां मेरे व्यक्तिगत हित और देश के हित में टकराव होगा, वहां मैं देश के हित को प्राथमिकता दूंगा। लेकिन जहां दलित जातियों के हित और देश के हित में टकराव होगा, वहां में दलित जातियों को प्राथमिकता दूंगा।’ वे दलित समाज के लिए एक मसीहा बनकर उभरे, जिन्होंने अपने जीवन के अंतिम क्षण तक उनके अधिकारों और सम्मान के लिए संघर्ष किया। कॉलेज के डायरेक्टर श्री विजयराज अग्रवाल ने इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए डॉ. अंबेडकर के सिद्धांतों को अपनाने और समाज में समानता व शिक्षा के प्रसार के लिए प्रेरित किया। उन्होने बाबा साहेब के बारे में कुछ रोचक तथ्य बताये कि भारत के राष्ट्रीय ध्वज पर अशोक चक्र लगाने का श्रेय डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को ही जाता है। डॉ. भीमराव अंबेडकर लगभग 9 भाषाओं के ज्ञाता थे। उन्होंने 21 साल की उम्र तक लगभग सभी धर्मों की गहरी अध्ययन किया था।डॉ. अंबेडकर ऐसे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने अर्थशास्त्र में क्कद्वष्ठ विदेश में जाकर की थी। उनके पास कुल 32 डिग्रियां थीं, जो उनकी शिक्षा और समर्पण को दर्शाती हैं। आजाद भारत के पहले कानून मंत्री बाबासाहेव ही थे। इस कार्यक्रम के उपलक्ष्य पे सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह आयोजन छात्रों में सामाजिक चेतना और संविधान के प्रति सम्मान की भावना जागृत करने की दिशा में एक सराहनीय कदम रहा। इस अवसर पर कॉलेज प्रांगण को सजाया गया और छात्रों एवं स्टाफ सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

संपादकीय

मुद्दों का सौहार्दपूर्ण समाधान

भारत और श्रीलंका ने पहली बार सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग के लिए ढांचे को संस्थागत बनाने के संबंध में शनिवार को रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। कोलंबो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने कुल सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी-दिसानायके वार्ता में 10 से ज्यादा ठोस परिणाम निकले और सबसे महत्त्वपूर्ण तो यह कि दोनों देश सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग को राजी हुए हैं। बेशक, यह फैसला दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इसलिए भी कि यह समझौता श्रीलंका में भारतीय शांति रक्षा सेना के हस्तक्षेप के करीब 35 साल बाद हुआ है। भारत के लिए मोदी का श्रीलंका दौरा इसलिए भी सफल कहा जा सकता है कि दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी को आासन दिया है कि श्रीलंका अपने भूभाग का इस्तेमाल किसी भी तरह से भारत के सुरक्षा हितों के प्रतिकूल कदमों के लिए नहीं होने देगा। जब-जब पड़ोसी चीन श्रीलंका के साथ दोस्ताना होता है, तब-तब भारत की पेशानी पर चिंता की लकीरें उभरने लगती हैं। लेकिन अब श्रीलंका से स्पष्ट आासन मिलने से भारत को बड़ी राहत का अहसास हुआ है। दरअसल, दोनों पड़ोसी देशों बीच ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और आत्मीयता से भरे संबंध रहे हैं, दोनों देशों की साझा बौद्ध विरासत है, दोनों की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई है, और दोनों परस्पर निर्भर कहे जा सकते हैं। दिसानायके इस बात से वाकिफ हैं। संभवत- यही कारण रहा कि राष्टपति बनने के बाद उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना। मोदी को भी उन्होंने अपना पहला विदेशी मेहमान बनाया और उन्हें श्रीलंका के सर्वोच्च सम्मान 'मित्र विभूषण' से भी नवाजा। भारत भी श्रीलंका की मित्रता को खासा तवज्जो देता है, और इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि 2014 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी का यह चौथा श्रीलंका दौरा था। चाहे 2019 का आतंकवादी हमला हो, कोविड महामारी हो या हाल में आया आर्थिक संकट हो, हर कठिन परिस्थिति में भारत ने श्रीलंका की तरफ मदद का हाथ बढ़ाया है। श्रीलंका हमारी 'पड़ोसी पहले' नीति और 'महासागर' दृष्टिकोण से भी हमारे लिए विशेष स्थान रखता है। अलबत्ता, श्रीलंका में तमिलों की आकांक्षाओं और भारतीय मछुआरों के श्रीलंका के जल क्षेत्र में पकड़े जाने जैसे विवादास्पद मुद्दे हैं। उम्मीद है कि इन मुद्दों का सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने में भी दोनों पड़ोसी देश सफल होंगे।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफबम का असर...

डा. वरिंद्र भाटिया

मान लो, चीन से कोई सामान 100 रुपए का आता था, अब वह 154 रुपए का होगा। अगर भारत वही सामान 130-135 रुपए में बेचे, तो अमेरिका भारत से सामान खरीदेगा, क्योंकि यह सस्ता होगा जिससे भारतीय कंपनियों को ज्यादा ऑर्डर मिलेंगे, नए रोजगार पैदा होंगे। भारत का निर्यात बढ़ेगा, जिससे अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। आसान भाषा में अगर कहें तो अमेरिका ने चीन का सामान महंगा कर दिया है, इसलिए भारत अब उसकी जगह ले सकता है और अपना व्यापार बढ़ा सकता है। तुलनात्मक तरीके से देखें तो भारत का कपड़ा उद्योग अब बढ़त में है, क्योंकि अमेरिका ने चीन और बांग्लादेश से आने वाले कपड़ों पर ज्यादा टैरिफ लगा दिए हैं। इससे भारतीय कपड़े सस्ते हो जाएंगे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनेक देशों पर टैरिफ का ऐलान किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने जब से अमेरिका के राष्ट्रपति पद का जिम्मा संभाला है, जनाब एक के बाद एक, बम बम फैसलों से खबरों में हैं। उन्होंने दुनिया के आर्थिक जगत को उलझा कर रखा हुआ है। ट्रंप ने तमाम देशों पर 10 प्रतिशत से लेकर 49 प्रतिशत तक का टैरिफ लगा दिया। भारत पर भी ट्रंप ने 26 प्रतिशत का रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया है। सबसे पहले तो आसान तरीके से यह समझें कि टैरिफ होता क्या है। मान लीजिए दक्षिण कोरिया से भारत में मोबाइल का आयात होता है, अब अगर सरकार को दिखता है कि वहां से आने वाले सस्ते मोबाइल से भारत की कंपनियों को घाटा हो रहा है, वो उनका मुकाबला नहीं कर पा रही हैं, तो सरकार टैरिफ का उपयोग करती है। टैरिफ एक प्रकार का टैक्स है जो वह किसी देश से आ रहे सामानों पर लगाती है। सरकार उन वस्तुओं और सेवाओं पर टैरिफ लगाकर उनको महंगा कर देती है ताकि देश के लोग उनको न खरीदकर देश की कंपनियों के प्रोडक्ट को ही खरीदें। अब ट्रंप अमेरिका में यही कर रहे हैं। उन्होंने तमाम देशों पर कम से कम 10 प्रतिशत और अधिक से अधिक 49 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। अब ट्रंप का टैरिफ कैसे काम करेगा? इसको भारत के उदाहरण से ही समझिए। ट्रंप ने 2 अप्रैल को भारत पर जो 26 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है, वो अतिरिक्त टैक्स होगा। यानी अगर किसी सेक्टर पर अमेरिका ने पहले 14 प्रतिशत का टैरिफ लगा रखा था तो अब उस पर 14 प्लस 26 यानी कुल 40 प्रतिशत का टैरिफ देना होगा। ट्रंप ने जो टैरिफ लगाया है उसमें 10 प्रतिशत का टैरिफ 'बेसलाइन टैरिफ' है, यानी कम से कम इतना टैरिफ तो सब पर लगाया गया है। इसके बाद जो टैरिफ है, वह उन देशों की तरफ से अमेरिका पर लगाए जा रहे टैरिफ के अनुपात में लगाया गया है। फिर से भारत के उदाहरण से इसे समझते हैं। भारत पर जो 26 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया है, उसमें से 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ है और बाकी का 16 प्रतिशत भारत के टैरिफ के जवाब में लगाया गया है। ट्रंप ने ऐलान किया है कि 10 प्रतिशत का बेसलाइन टैरिफ 5 अप्रैल से लागू होगा जबकि 9 अप्रैल से पूरा टैरिफ (भारत के लिए 26 प्रतिशत अतिरिक्त या नया टैरिफ) वसूला जाएगा। ट्रंप के टैरिफ से भारत का कौनसा सेक्टर सबसे अधिक प्रभावित होगा, यह जानना जरूरी है। कृषि के इससे सबसे अधिक प्रभावित होने की संभावना है। इसके अंदर अगर डेयरी प्रोडक्ट की बात करें तो अभी इस पर 16.8 प्रतिशत का टैरिफ लगता है। 9 अप्रैल से इसमें 26 प्रतिशत और जुड़ जाएगा और कुल टैरिफ बढक़र 42.8 प्रतिशत हो जाएगा। इसी तरह फल और सब्जी पर अभी 5.3 प्रतिशत का टैरिफ लगता है जो बढक़र 31.3 प्रतिशत हो जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स पर भारत में 1.2 प्रतिशत का काफी कम टैरिफ लगता है, लेकिन 9 अप्रैल से बढक़र यह 27.2 प्रतिशत हो जाएगा। यानी टैरिफ से भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में कुछ वक्त के लिए कमी आ सकती है। हमें स्मार्ट सप्लाई चेन पर ध्यान देना होगा। देश के फार्मा सेक्टर को बड़ी राहत मिली है। इसे ट्रंप ने टैरिफ के मार से दूर रखा है। भारत की कई बड़ी दवा कंपनियों की आधी कमाई अमेरिकी बाजार से होती है। रत्न और आभूषण सेक्टर को बड़ा झटका लगेगा। अभी इस पर अमेरिका में 5.5 से 13.5 प्रतिशत तक का टैरिफ लगता है। 9 अप्रैल से यह बढक़र 31.5 से 39.5 प्रतिशत तक हो जाएगा। इसकी वजह से अमेरिका से मिलने वाले ऑर्डर पर बड़ा असर दिख सकता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक सांझेदार रहा है। अमेरिका भारत के कुल वस्त्र निर्यात का लगभग 18 फीसदी, आयात का 6.22 फीसदी और द्विपक्षीय व्यापार का 10.73 फीसदी हिस्सा रखता है। अमेरिका के साथ, भारत का 2023-24 में वस्त्रों में व्यापार अधिशेष (आयात और निर्यात के बीच का अंतर) 35.32 अरब डॉलर था। यह 2022-23 में 27.7 अरब डॉलर, 2021-22 में 32.85 अब डॉलर, 2020-21 में 22.73 अरब डॉलर और 2019-20 में 17.26 अरब डॉलर था। साल 2024 में अमेरिका को भारत के मुख्य निर्यात में दवा निर्माण और जैविक उत्पाद (8.1 अरब डॉलर), दूरसंचार उपकरण (6.5 अरब डॉलर), कीमती और अर्ध-कीमती पत्थर (5.3 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (4.1 अरब डॉलर), सोना और अन्य कीमती धातु आभूषण (3.2 अरब डॉलर), कपास के रेडीमेड वस्त्र, जिसमें सहायक उपकरण शामिल हैं (2.8 अरब डॉलर) और लोहे और स्टील के उत्पाद (2.7 अरब डॉलर) शामिल थे। इसी तरह, आयात में कच्चा तेल (4.5 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (3.6 अरब डॉलर), कोयला, कोक (3.4 अरब डॉलर), कटे और पॉलिश किए गए हीरे (2.6 अरब डॉलर), विद्युत मशीनरी (1.4 अरब डॉलर), विमान, अंतरिक्ष यान और उनके हिस्से (1.3 अरब डॉलर) और सोना (1.3 अरब डॉलर) शामिल थे। ट्रंप के टैरिफ बम से भारत को कुछ नुकसान हो सकते हैं। लेकिन एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत 4 सेक्टरों में चीन को पीछे छोडक़र नंबर एक बन सकता है। यानी अमेरिका के इस कदम से भारतीय उद्योगों को फायदा भी मिल सकता है। ट्रंप के टैरिफ से चीन पर 54 फीसदी टैक्स लगेगा, जबकि भारत पर सिर्फ 27 फीसदी। मान लो, चीन से कोई सामान 100 रुपए का आता था, अब वह 154 रुपए का होगा। अगर भारत वही सामान 130-135 रुपए में बेचे, तो अमेरिका भारत से सामान खरीदेगा, क्योंकि यह सस्ता होगा जिससे भारतीय कंपनियों को ज्यादा ऑर्डर मिलेंगे, नए रोजगार पैदा होंगे। भारत का निर्यात बढ़ेगा, जिससे अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। आसान भाषा में अगर कहें तो अमेरिका ने चीन का सामान महंगा कर दिया है, इसलिए भारत अब उसकी जगह ले सकता है और अपना व्यापार बढ़ा सकता है। तुलनात्मक तरीके से देखें तो भारत का कपड़ा उद्योग अब बढ़त में है, क्योंकि अमेरिका ने चीन और बांग्लादेश से आने वाले कपड़ों पर ज्यादा टैरिफ लगा दिए हैं। इससे भारतीय कपड़े सस्ते हो जाएंगे और अमेरिकी रिटेलर्स भारत से सामान खरीदने को मंजूरी देंगे। इसके अलावा कई बड़े अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स भी बांग्लादेश और चीन से अपना उत्पाद भारत में लाने की सोच रहे हैं, ताकि वे बढ़े हुए टैरिफ से बच सकें। इसी तरह, इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भी भारत को फायदा हो सकता है। अमेरिका ने वियतनाम और थाईलैंड से आने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकॉम सामानों पर ज्यादा टैरिफ लगा दिए हैं, जिससे भारत एक बेहतर विकल्प बन सकता है। इस तरह, भारत को अमेरिका के टैरिफों के कारण लाभ मिलने की उम्मीद है। हालांकि ट्रंप के कड़े रुख के कारण भारतीय निवेशकों में आक्रोश है।

आलेख

कांग्रेस संक्रमण के दौर से गुजर रही

हरिशंकर व्यास

कांग्रेस बिना ठोस विचारों के है। संक्रमण के दौर से गुजर रही है। राहुल गांधी नए प्रयोग कर रहे हैं। कर्नाटक के दलित नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को अध्यक्ष बनाने और जाति गणना करा कर आरक्षण बढ़ाने का गुरुमंत्र मिलने के बाद से राहुल गांधी पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक के नए चैंपियन के तौर पर उभरे हैं। वे पिछले करीब दो साल से जाति गणना कराने और आरक्षण बढ़ाने की रट लगाए हुए हैं। कांग्रेस के नेता दो दिन के अधिवेशन के लिए गुजरात में इकट्ठा हुए तो मंथन का एक बड़ा विषय यह था। लेकिन यह इकलौता मुद्दा नहीं है, जिस पर कांग्रेस संक्रमण के दौर में है या किसी वजह से संशय में है। अगड़ा बनाम पिछड़ा, दलित, आदिवासी का मुद्दा है तो नए बनाम पुराने का भी है और पूंजीवाद बनाम पूंजीपतियों के विरोध का भी है। जहां तक नए और पुराने का मामला है तो करीब 20 साल के संघर्ष के बाद राहुल गांधी इस पहेली को सुलझाते लग रहे हैं। पार्टी के अंदर पुराने नेताओं का वर्चस्व अब लगभग खत्म हो गया है। एकाध राज्यों में जरूर पुराने क्षत्रप हैं, जो अपना खूंटा थामे हए हैं लेकिन उनका खूंटा उखड़ना भी वक्त की बात है। राहुल गांधी ने सबसे 2009 की सरकार बनने के समय इस संघर्ष को खत्म करने का बड़ा दांव चला था। लेकिन उन्होंने जिन नए नेताओं पर दांव लगाया उनमें से ज्यादातर कांग्रेस पार्टी छोड़ कर भाजपा में चले गए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो कांग्रेस के अंदर नए और पुराने का विवाद काफी समय पहले सेटल हो गया होता। देर से ही सही लेकिन अब जाकर कांग्रेस की कमान पूरी तरह से राहुल के हाथ में आ गई है। वे अपने हिसाब से नेताओं को केंद्रीय और प्रदेशों के संगठन में जगह दे रहे हैं। इस बार उनके चुने हुए नेता सहीं है या गलत, मजबूत हैं या कमजोर इसका पता बाद में चलेगा। समय बताएगा कि उनका चयन कितना सही है। उसके गुणदोष में गए बगैर कह सकते हैं कि कांग्रेस में नए और पुराने का विवाद काफी हद तक सुलझ गया है और अहमदाबाद अधिवेशन में यह साफ साफ दिखा। अहमदाबाद के अधिवेशन में राहुल गांधी ने आरक्षण और पिछड़ा, दलित, आदिवासी राजनीति को कांग्रेस के केंद्रीय राजनीति के तौर पर स्थापित किया। उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में कहा कि कांग्रेस दलितों, सवर्णों और अल्पसंख्यकों की राजनीति करती रही और इस बीच पिछड़ों ने उसे छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पिछड़ों का ध्यान नहीं रखा तो पिछड़ों ने भी उसे छोड़ दिया। अब कांग्रेस को पिछड़ी जातियों को साथ लेकर चलना है। राहुल गांधी ने कांग्रेस अधिवेशन में तीन प्रस्ताव मंजूर कराए। कांग्रेस ने एक प्रस्ताव में यह तय किया कि वह आरक्षण की सीमा को 50 फीसदी से बढ़ाएगी। आबादी के अनुपात में आरक्षण का प्रावधान किया जाएगा। कांग्रेस के दूसरे प्रस्ताव में कहा गया कि एससी और एसटी के वर्गीकरण को कांग्रेस मंजूर कराएगी और इन वर्गों में आबादी के अनुपात में आरक्षण बांटेंगी। तीसरा प्रस्ताव निजी विश्वविद्यालयों में आरक्षण की मंजूरी का है। कांग्रेस ने यह प्रस्ताव मंजूर किया तो कई लोग यह कहने वाले आ गए कि कांग्रेस सीधे निजी सेक्टर में आरक्षण क्यों नहीं मांग रही है, जो सिर्फ निजी विश्वविद्यालयों के दाखिले में आरक्षण की मांग कर रही है। आरक्षण को लेकर कांग्रेस के ये तीन प्रस्ताव उसे बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा की समाजवादी पार्टियों के समकक्ष खड़ा करती हैं। कांग्रेस की एक स्थायी दुविधा इस बात को लेकर रही है कि कारोबार, उद्यमी और पूंजीपति को लेकर क्या रुख रखा जाए। नेहरू की मिश्रित अर्थव्यवस्था से निकाल कर पीवी नरसिंह राव ने देश को उदार अर्थव्यवस्था के रास्ते पर डाला। इससे देश की आर्थिक तस्वीर पूरी तरह से बदली और भारत गरीबी के स्थायी दुष्चक्र से निकल कर वैश्विक व्यवस्था का हिस्सा बना। लेकिन कांग्रेस की दुविधा खत्म नहीं हुई। उसने उद्योग और कारोबार को बढ़ावा देकर अमीरी बढ़ाने, जीडीपी बढ़ाने और गरीबी मिटाने की बजाय अधिकार आधारित नीतियों पर ज्यादा ध्यान दिया। मनमोहन सिंह की 10 साल की सरकार ने आम लोगों को कई अधिकार दिए या अधिकार देने वाले कानून बनाए। इसी में राहुल गांधी दो कदम और आगे बढ़ गए। उन्होंने अडानी और अंबानी का विरोध शुरू किया लेकिन बाद में लगने लगा कि वे कारोबार, उद्योग का ही विरोध कर रहे हैं।

स्टैंडअप कॉमेडी एक्ट को लेकर उठा तूफान

अजीत द्विवेदी

कुणाल कामरा के एक स्टैंडअप कॉमेडी एक्ट को लेकर जो तूफान उठा था अभी उसकी गर्द उड़ ही रही है। पहले सोचा था कि इसका गर्दो गुबार बैठ जाए तब इस पर लिखा जाए। परंतु निकट भविष्य में उसकी संभावना नहीं दिख रही है। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को खुश करने के लिए महाराष्ट्र पुलिस ने कमर कसी हुई है। उसने तय किया है कि हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट कुछ भी कहें कुणाल कामरा को एक बार तो गिरफ्तार करना है ही और मजा चखाना ही है। तभी एक के बाद एक नए मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं और नए समन जारी हो रहे हैं। उन जगहों पर पुलिस दबिश दे रही है, जहां कामरा 10 साल से नहीं रहते हैं। पुलिस का जोर कामरा पर नहीं चला तो उन तमाम दर्शकों को नोटिस भेज कर बुलाया गया, जो उनके शो में मौजूद थे। इसके बाद से यह मजाक चल रहा है कि दर्शकों के बाद उन लोगों की बारी है, जिन्होंने यूट्यूब पर कामरा के इस वीडियो को देखा है। समूचा विवाद इस बात का है कि कुणाल कामरा ने एकनाथ शिंदे को 'गद्दार' कहा। हालांकि उन्होंने शिंदे का नाम नहीं लिया है लेकिन 'ठाणे की रिक्शा', 'चेहरे पे दाढ़ी', 'आंख पे चश्मा', 'गुवाहाटी में छिपना' आदि से पर्याप्त इशारा है कि वे किसकी बात कर रहे हैं। यह एक तथ्य है कि शिंदे ने शिव सेना तोड़ी, अपनी अलग पार्टी बनाई, जिसे बाद में चुनाव आयोग ने असली शिव सेना कहा। वे दशकों तक जिस पार्टी और परिवार के प्रति निष्ठावान बने रहे उससे अलग हुए। कह सकते हैं कि विचारधारा का मतभेद था। इसके बावजूद ऐसे कदमों को राजनीति में दलबदल करना, नेता की पीठ में छुरा भोंकना, धोखा देना, गद्दारी करना आदि ही कहा जाता है। उद्धव ठाकरे की पार्टी के अलावा दूसरी पार्टियों के नेताओं ने भी शिंदे के बारे में ऐसी बातें कही हुई हैं। लेकिन शिंदे समर्थक उनसे नाराज नहीं हुए। उनकी नाराजगी भड़की है कुणाल कामरा पर। कामरा पर नाराजगी क्या इस वजह से भड़की है कि वे कोई नेता नहीं हैं, उनके पास कोई पार्टी नहीं है या कोई सुरक्षा कवच नहीं है या कोई और कारण है? बहरहाल, कुणाल कामरा के स्टैंडअप एक्ट में वह बात सबसे गंभीर या अहम नहीं है, जिस पर सबसे ज्यादा विवाद है यानी शिंदे का मामला सबसे गंभीर नहीं है। उन्होंने 45 मिनट के अपने प्रोग्राम में कई दूसरे गंभीर विषय उठाए हैं और उन पर तीखा व्यंग्य किया है। उन्होंने भारतीय समाज की हिप्पोक्रेसी, देश के उद्योगपतियों के लालच, करोड़पतियों के दिखावे और धन के अश्लील प्रदर्शन पर गहरा व्यंग्य किया है। परंतु किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया। ऐसा लग रहा है कि अपने कॉमिक एक्ट से कामरा ने जो गंभीर सवाल उठाए उनको दबाने या छिपाने के लिए एकनाथ शिंदे के मुद्दे पर फोकस बनवा दिया गया हो। कामरा के एक्ट को लेकर जो प्रहसन चल रहा है उसको देख कर अजय देवगन की 'सिंघम' फिल्म का एक दृश्य याद आता है, जिसमें हीरो ने विलेन को 'मामूली गुंडा' कहा। विलेन ने इस पर भड़कते हुए कहा, 'मामूली किसको बोला'? सोचें, उसे गुंडा कहे जाने से तकलीफ नहीं थी, मामूली कहे जाने से थी। वही हाल कामरा की कॉमेडी की है। मामूली बातों पर भावनाएं आहत हुई हैं और गंभीर बातों पर चुप्पी है या उसका मौन स्वीकार है। कामरा ने देश के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में धन के अश्लील प्रदर्शन का मुद्दा उठाया। मुख्यधारा के किसी आदमी की इस पर बोलने की हिम्मत नहीं हो रही थी। लेकिन कामरा ने यह कहते हुए सवाल उठाया कि 'अंबानी सटल (स्ढ्ढड्ढद्यद्) है ही नहीं'। उन्होंने एक रूपक के जरिए अपनी बात समझाई कि अंबानी ने दुनिया भर के गायकों, नर्तकों, अभिनेताओं को बुला लिया और सबको सामने बैठा कर कहा कि 'तुम बैठो हम नाचेंगे'। रिलायंस समूह यही तो कारोबार में भी कर रहा है। उसकी किसी काम में विशेषज्ञता नहीं है लेकिन उसे सारे काम करने हैं। हर चीज खरीदनी है और हर चीज बेचनी है। कामरा ने बहुत बारीक तरीके अंबानी के निजी चिड़ियाघर का भी मजाक उड़ाया। लेकिन इस पर कोई चर्चा नहीं हुआ। कामरा के उस एक्ट की सबसे खास बात यह थी कि उन्होंने देश के तमाम उद्योगपतियों और कारोबारियों की पोल खोल दी। उन्होंने कहा कि इस देश के किसी उद्योगपति ने कोई इनोवेशन नहीं किया है। एक चीज नहीं बनाई है। यह कितनी बड़ी सचाई है कि भारत में जिसके पास 12 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है वह भी सौ, दो सौ करोड़ रुपए रिसर्च पर या इनोवेशन पर खर्च नहीं करता है। वह इस इंतजार में रहता है कि दुनिया के दूसरे देशों के उद्यमी रिसर्च करें, इनोवेशन करें, नई चीजें बनाएं और बेचने के लिए उसको दे दें। अभी हाल ही में अंबानी और मित्तल दोनों इलॉन मस्क के वेंडर बने हैं। मस्क ने अपने साहस, रिसर्च, इनोवेशन से धरती की कक्षा में सात हजार सेटेलाइट भेजे और उनसे इंटरनेट की सेवा शुरू की। भारत में अंबानी और मित्तल यह सेवा बचेंगें। इस कमाई का पैसा मस्क के पास अमेरिका जाएगा और अंबानी व मित्तल को कमीशन मिलेगा। सोचें, 12 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति वाला भी अमेरिका के एक कारोबारी का कमीशन एजेंट है। कामरा ने इस हकीकत को अपने एक्ट से जाहिर किया। कुणाल कामरा ने संत जैसे आचरण करने वाले आनंद महिंद्रा और सुधा मूर्ति पर भी तंज किया। उन्होंने कहा कि आनंद महिंदा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लेकर हर चीज पर सोशल मीडिया पोस्ट लिखते हैं लेकिन अपनी गाड़ी की क्वालिटी ठीक नहीं करते हैं। वे उन तमाम बातों में घुसे रहते हैं, जिनसे उनका कोई मतलब नहीं है। ऐसे ही सुधा मूर्ति के 'मैं सिंपल हूं' के प्रचार पर भी उन्होंने गहरा तंज किया।

शोषित वर्गों के मसीहा डा. अंबेडकर...

डा. सतपाल

यह भेदभाव उनके मानसिक पटल पर समाज की इस अमानवीय व्यवस्था के प्रति अमिट छाप छोड़ गया 14 अप्रैल 1891 को ब्रिटिश भारत के मध्य प्रांत में महू नामक स्थान पर एक ऐसे व्यक्ति का जन्म हुआ जिसका नाम भारत के इतिहास में बड़े अदब से लिया जाता है। अद्भुत प्रतिभा के धनी उस व्यक्तित्व ने अपने जीवन काल में न जाने कितने आयाम स्थापित किए। भारतीय संविधान के रचयिता व दलित एवं शोषित वर्ग की आवाज को बुलंद करने वाले, यह वह शख्सियत है जिसे भारतीय इतिहास में बाबा साहब डा. भीम राव अंबेडकर के नाम से जाना जाता है। डा. अंबेडकर का नाम किसी से छुपा नहीं है। देश ही नहीं, अपितु विदेशों में भी उनका नाम बड़े सम्मान से लिया जाता है। विश्वभर में उनकी सबसे ज्यादा मूर्तियां बनना इस बात की पुष्टि करता है। डा. अंबेडकर का जन्म रामजी सकपाल व भीमाबाई के घर में उनकी 14वीं संतान के रूप में हुआ। उनके पिता ब्रिटिश सेना में नौकरी करते थे तथा महू क्षेत्र सेना की छावनी हुआ करता था। उनका परिवार बहुत बड़ा होने के कारण लालन-पालन बड़ी मुश्किल से होता था। अत: बाबा साहब के जीवन में प्रारंभ से लेकर उनके अंतिम समय तक संघर्ष रहा। उनका जन्म म्हार जाति में हुआ, जो उस समय एक अछूत जाति थी। जिसके कारण उनको छुआछूत का दंश झेलना पड़ा। बाल्यकाल से समाज में फैली अस्पृश्यता, छुआछूत तथा असमानता जैसी कुरीतियों के भुक्तभोगी होने के बावजूद बाबा साहब द्वारा अपने जीवन में अनेकों अनेक कीर्तिमान स्थापित करना अपने आप में उनके संघर्ष, लगन व चहुंमुखी व्यक्तित्व को प्रदर्शित करता है। उन्होंने न केवल संघर्ष के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई, अपितु समाज के शोषित वर्ग को नई दिशा दिखाने का भी काम किया। स्कूल के समय में भी उन्होंने न जाने किस-किस रूप में जातिगत अस्पृश्यता एवं भेदभाव का सामना किया। उन्हें स्कूल में अकेले एक कोने में बैठा दिया जाता था, यहां तक कि एक नल से पानी पीने तक पर प्रतिबंध था। यह भेदभाव उनके मानसिक पटल पर समाज की इस अमानवीय व्यवस्था के प्रति अमिट छाप छोड़ गया। फिर भी, बाबा साहब ने हार न मानी, नित निरंतर पढ़ाई के रास्ते पर आगे बढ़ते गए। वो प्राय: अपनी बहन को उनके साथ होने वाले भेदभाव के पीछे का कारण पूछते रहते, लेकिन कभी भी कहीं से उन्हें संतोषजनक उत्तर नहीं मिल पाया। अंतत: उन्होंने शिक्षित होकर इस दमन के खिलाफ

लडने का फैसला लिया। हालांकि समाज में दलित एवं शोषित समाज का प्रत्येक व्यक्ति इस भेदभाव का शिकार रहा, तथा सभी अपने-अपने स्तर पर लड़ते रहे, लेकिन डा. अंबेडकर ने शोषण के खिलाफ जिस स्तर पर संघर्ष किया, वह उन्हें दूसरों से पृथक करता है। डा. अंबेडकर एक होनहार छात्र थे। इसलिए उनके बचपन के गुरु श्री कृष्ण केशव अंबेडकर ने उनको शिक्षा में काफी प्रोत्साहित किया, जिसके कारण बाबा साहब को कहीं न कहीं शोषित समाज में उम्मीद की किरण दिखी, जो अथक प्रयासों, संघर्षों और कुर्बानियों से एक ज्वाला बनकर उभरी तथा शोषण के विरुद्ध वर्तमान में भी जलती नजर आती है। उनका एक प्रसिद्ध वाक्य 'बुद्धि का विकास मनुष्य जीवन का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए', सही मायने में उनकी पढने-लिखने की उत्कंठा को दर्शाता है। उनके शिक्षा के प्रति आवेग को न तो कोई मुसीबत रोक पाई, न ही सामाजिक शोषण। बाबा साहब की यह उत्कंठा महू से शुरू होकर विश्व के नामचीन विश्वविद्यालयों में जाकर पूर्ण हुई। अपनी इस उत्कंठा के चलते उन्होंने 32 विषयों में स्नातकोत्तर ड्रिगी व विभिन्न भाषाओं का ज्ञान अर्जित किया। उन्होंने एलफिंस्टन कॉलेज से अर्थशास्त्र व राजनीति विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त की, तत्पश्चात कोलंबिया विश्विद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातकोतर डिग्री व प्रसिद्ध लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उनका सीखने का जुनून यहीं खत्म नहीं हुआ, इसलिए समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र, मानवशास्त्र, राजनीतिशास्त्र एवं विधि सहित 32 विषयों में स्नातकोतर की डिग्री पूर्ण करके भी कीर्तिमान स्थापित किया। उनकी शिक्षा ग्रहण करने में भी जातिगत भेदभाव साफ नजर आता है, जब उन्हें अछूत होने के कारण संस्कृत भाषा का अध्ययन करने से वंचित रखा गया और उन्हें मजबूरन फारसी भाषा का अध्ययन करना पड़ा। यद्यपि उनकी दृढ़ शक्ति के चलते उन्होंने बाद में संस्कृत भाषा को भी सीखा। उनकी व्यक्तिगत उपलब्धियों की अगर बात करने लग जाएं तो न जाने कितने पृष्ठ भर जाएंगे। अपितु, बाबा साहब का जीवन कभी भी अपने तक सीमित नहीं रहा। वो चाहते तो एक आराम व् विलासितापूर्ण जीवन व्यतीत कर सकते थे। इतनी उपाधियां प्राप्त करने के पश्चात उनको विभिन्न उच्च पदों पर आसीन होने के न्यौते मिले थे। लेकिन उन्होंने शोषित वर्ग के लिए संघर्ष करने का मार्ग चुना तथा हजारों वर्षों से सामाजिक भेदभाव झेल रहे शोषितों के लिए मार्ग प्रशस्त करने का काम किया। बाबा साहब अपने परिश्रम के दम पर कक्षा के कोने में हुए भेदभाव से लेकर गोलमेज कान्फ्रेंस में भाग लेना, संविधान निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण समिति प्रारूप समिति के अध्यक्ष तक का सफर तय किया व संविधान निर्माण में अहम भूमिका निभाई।

अर्थ के अर्थ को न समझना अर्थ का अनर्थ, बोध हो जाना परमार्थ : निर्यापक मुनि श्री समता सागर जी महाराज

कोरबा (विश्व परिवार)। अर्थ के अर्थ का ज्ञान नहीं होना अनर्थ है, जो जान लेता है वो परमार्थ का अर्थ समझ जाता है। निर्यापक श्रमण श्री समता सागर महाराज ने ऊर्जा नगरी कोरबा के जिनमंदिर प्रांगण में जैन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि कोरबा में अर्थ का प्रवाह तो बहुत है मगर आपको अर्थ का अर्थ समझने की आवश्यकता है।

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य निर्यापक मुनि श्री समता सागर महाराज ने कहा कि कोरबा आने की संभावना नहीं थी मगर आपकी भावना और बार बार के आग्रह से कोरबा आने का भाव बन गया। भावना बलवान हो तो संभावना में संशोधन हो जाता है। आपके पास अर्थ का प्रवाह है आवश्यकता अर्थ के अर्थ को समझने की है और उचित पुरुषार्थ से अर्थ को परमार्थ में ढालने की है। मुनि श्री ने भक्ति के प्रवाह को समझाते हुए कहा कि कोरबा में पत्रकार वेदचन्द जी को 31 वर्षों के उपरांत पड़गाहन का अवसर मिला। इतने वर्षों से स्थान स्थान पर आते रहे दर्शन करते रहे भक्ति करते रहे, और जैसे पड़गाहन के लिये परिवार के साथ विधि पूर्वक खड़े हुये अवसर मिल गया, क्योंकि इतने वर्षों से इनकी भक्ति ज्यों की त्यों बनी रही। भावना से संभावना बन जाती है।

कोरबा जैन समाज को साधुओं का सत्संग चाहिए तो निरंतर प्रयास करो, भावना बलवती रखो और मन के भाव मन में ही रखो, ऐसा नहीं आचार्य श्री के समक्ष मुनि महाराजों से व्यक्त भी करते रहो। कोरबा में जैन मंदिर का विशाल परिसर है, ऐसा परिसर छत्तीसगढ़ में संभवत: अन्यत्र नहीं है। शुद्ध जल के श्रोतों का अभाव हो रहा है। मंदिरों में शुद्ध जलसंग्रह के लिये अमृत कुण्ड का प्रबंध करना चाहिए। अमृत कुण्ड में बरसात में सतह में प्रवाहमान जल को इस प्रकार संग्रहित किया जाता है कि जल तक सूर्य की रश्मियां न पहुंचे। इस प्रकार यह जल सुदीर्घ अवधि तक उपयोग योग्य बना रहता है।ऐसा प्रबंध अनेक जैन जिनालयों के परिसर में किया गया है।ये प्रबंध सुरक्षित और उपयोगी है।

इसके पूर्व वेदचन्द जैन ने कहा कि निर्यापक श्रमण श्री समता सागर महाराज का कोरबा की ऊर्जा वान भूमि पर प्रथम आगमन कोरबा जैन समाज के लिये सौभाग्य शाली अवसर है। इस अल्प प्रवास काल में ही समाज में मुनि महाराजों के सत्संग पाने की भावना में तीर्वता आयेगी। आपने इन पंक्तियों के साथ कि प्रभु दर्शन फिर गुरु कृपा तद्नुसार पुरुषार्थ, दुर्लभ जग में तीन ये, मिले सार परमार्थ।

महाराज जी से उद्बोधन का आग्रह किया। कोरबा जैन समाज के अध्यक्ष डॉ प्रदीप जैन ने मुनसंघ से पावस योग चातुर्मास का निवेदन करते हुवे कोरबा की भूमि पर पधारने के लिए आभार व्यक्त किया। **-वेदचन्द जैन**

जीवन का श्रृंगार संयम से है : जैन साध्वी ज्ञानमती माताजी का संयम दिवस हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया

अयोध्या (विश्व परिवार)। भगवान ऋषभदेव दिगम्बर जैन मंदिर बडी मूर्ति रायगंज अयोध्या में जैन साध्वी भारतगौरव गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के 73वें आर्यिका दीक्षा दिवस हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। 73 वर्ष पूर्व राजस्थान के माधोराजपुरा (जयपुर) ग्राम मां आर्यिका दीक्षा आचार्य श्री वीरसागर जी महाराज से प्राप्त की थी उस समय आप प्रथम बाल ब्रह्मचारिणी कन्या के रूप में दीक्षा प्राप्त करने वाली प्रथम आर्यिका थी उससे पूर्व जो बहनें या माताएँ विधवा हो जाती थी या जिनकी बड़ी अवस्था हो जाती थी वे ही गृहत्याग करके इस मार्ग में आती थी लेकिन पूज्य गणिनी ज्ञानमती माताजी ने कुंवारी कन्याओं का मार्ग प्रशस्त किया एवं उनकी प्रेरणास्रोत बनीं सर्वप्रथम मन्दिर में विराजमान 31फुट उत्तुंग भगवान ऋषभदेव का दूध व जल से मस्तकाभिषेक किया गया एवं भगवान के मस्तक पर महाशांतिधारा सम्पन्न की गई इस अवसर पर जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का गर्भकल्याणक के अवसर पर 108 कलशों से भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक सम्पन्न किया गया एवं 73वें आर्यिका दीक्षा दिवस के अवसर पर भगवान ऋषभदेव को 73 फलों से सम्बन्धित थाल के माध्यम से अर्घ्य चढ़ाया गया इसी क्रम में भगवान पार्श्वनाथ को 73 फलों से सम्बन्धि अर्घ्य समर्पण किया गया।

जैन मन्दिर के प्रवक्ता एवं मंत्री श्री विजय कुमार जी ने बताया कि पूज्य माताजी वर्तमान में दिगम्बर जैन समाज के अन्दर 1750 साधु साध्वी विराजमान है उन सबमें सबसे प्राचीन दीक्षित ज्ञानमती माताजी जिन्होंने स्वकल्याण के साथ-साथ संस्कृति निर्माण का कार्य भी किया एवं संस्कृति को जीवित करने के लिए 550 ग्रंथों का सर्जन अपनी लेखनी के द्वारा किया यह वर्तमान युग में जैन समाज के लिए बहुत बड़ी देन हैं। जिसका आंकलन आने वाले युग में समस्त संस्कृति करेगी, आज भी पूज्य माताजी का साहित्य सर्वलोकप्रिय है माताजी के द्वारा लिखित विधान आदि साल में 365 दिन पूरे देश में कहीं ना कहीं होते रहते हैं। पूज्य माताजी के संयम दिवस के अवसर पर 73 अर्घ्यथाल के माध्यम से अर्घ्य समर्पण किया गया इसके पश्चात् पूज्य माताजी के चरण प्रक्षाल करने का सौभाग्य संघपति श्री अनिल कुमार जैन, प्रीत विहार-दिल्ली के द्वारा किया एवं भगवान पार्श्वनाथ के गर्भकल्याणक के अवसर पर रत्नवृष्टि करने का सौभाग्य गाँधी परिवार-पूना (महा.) ने प्राप्त किया। शास्त्रभेंट करने का सौभाग्य संस्थान के यशस्वी एवं लोकप्रिय अध्यक्ष पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी ने किया, इस अवसर पर परमपूज्य प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी ने ज्ञान को उपकरण शास्त्र पूज्य माताजी को समर्पित किया एवं इसी श्रृंखला में श्रीमती कुमुदिनी जैन, श्रीमती कामिनी जैन श्री विजय कुमार जैन, डॉ. जीवन प्रकाश जैन, परमेन्द्र जैन, निधेश जैन, निकलंक जैन, अतुल जैन-टिवैसतनगर एवं अरिंजय कुमार जैन दरियाबाद, जितेन्द्र जैन (लल्ला) ने प्राप्त किया। इस अवसर पर नवीन पिच्छिका प्रदान का सौभाग्य देवेन्द्र कुमार जैन, राजेश कुमार जैन (राजू भईया) आनंद, अतिशय, रजत जैन-टिवैसतनगर वालों ने प्राप्त किया।

जो तुम्हारे लिए चाहिए उसके अनुसार पुरुषार्थ करें : मुनि श्री अविचल सागर जी महाराज

युवा संगठनो को भी पंचायत कमेटी ने किया सम्मानित

अक्षय तृतीया पर होगा पंचायत कमेटी के तत्वावधान मे विभिन्न कार्यक्रम : विजय धुर्रा

अशोक नगर (विश्व परिवार)। मनुष्य के लिए नित नई नई आवश्यकता पड़ती रहती है हर आवश्यकता के लिए अलग अलग तरह के पुण्य की जरूरत होती है जो चीज आपको चाहिए उसके अनुसार पुरुषार्थ करना भी जरूरी है एक तरह के पुण्य से काम चलने वाला नहीं है आप चाहें तो धन सम्पत्ति के लिए अलग तरह के पुण्य की प्राप्ति होनी चाहिए घर ग्रहस्थी के लिए स्वस्थ रहने के लिए अलग तरह के पुण्य की जरूरत पड़ती है इस वात का हमें अच्छी तरह से ज्ञान होना चाहिए उक्त आश्य केउद्गार सुभाष गंज में भक्तों को सम्बोधित करते हुए मुनिश्री अविचल सागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

समन्वय गुप सहित युवा संगठनों को किया सम्मानित- इस दौरान जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि अक्षय तृतीया पर भगवान आदिनाथ ने दीक्षा के पूर्व पहली बार आहार चार्य कर जगत को दान की विधि से परिचित कराया था इस बार अक्षय तृतीया पर अनेक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। महावीर जयंती पर ना केवल महिला मंडलों व युवा मंडलों को साथ पाठ शाला शिक्षक व वच्चो ने भी श्रेष्ठ प्रदर्शन किया आचार्य श्री विद्यासागर सर्वोदय पाठशाला गंज मन्दिर के चंदना मंडल ने श्रेष्ठ झांकी प्रस्तुत की वहीं समन्वय गुप द्वारा बहुत ही सुन्दर स्वल्प की व्यवस्था बनाई गई जिन्हें श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी सम्मानित कर बहुत प्रसन्न हैं इसके साथ ही श्री दिगम्बर जैन युवा वर्ग जैन जागृति मंडल द्वारा बहुत ही सुन्दर जूलूस जमाया गया इनका भी हम सम्मान करना चाहते हैं इसके साथ ही गंज मन्दिर व गांव मन्दिर दिव्य घोष को भी हम यह सम्मान देने जा रहे हैं।

हम जो भी कार्य करने जा रहे हैं वह उचित है क्या- मुनिश्री ने कहा कि आपको ये विवेक होना चाहिए हम जो भी कार्य करने जा रहे हैं वह उचित है या अनुचित है जव हमारे अंदर विवेक की आंख खुली रहेगी तो आप स्वता ही अच्छे काम करेंगे उन्होंने कहा कि अपनी कीर्ति बढ़ाने के लिए अपने आस पास के लोगों की प्रशंसा करें आप लोगों के घर परिवार में सब कुछ होने के लिए सम्यक क्रिया करना चाहिए यदि आप को ठंडक चाहिए तो वर्फ से मिलेगा आग से ठंडक नहीं मिलेगा जो सही होगा उन्होंने कहा कि आज के दौर में वच्चे जो देखते हैं वैसे ही चलते हैं आप वच्चो को सिखाओ की आप मन्दिर में जाते हैं तो कुछ परिवर्तन होना चाहिए मन्दिर जाने से तुम्हारे अंदर सुधार आना चाहिए। **-विजय धुर्रा**

योजना का लाभ जरूरतमंद तक पहुंचे : मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े

बालोद में विभागीय योजनाओं की समीक्षा

रायपुर (विश्व परिवार)। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बालोद जिले में विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से तय समयसीमा में किया जाए, ताकि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुँच सके।

बालोद स्थित सर्किट हाउस में आयोजित इस समीक्षा बैठक में मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि विभागीय योजनाएं सिर्फ दस्तावेजों तक सीमित न रह जाएं, बल्कि उनका प्रभाव धरातल पर स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो। उन्होंने सभी परियोजना अधिकारियों और सेक्टर सुपरवाइज़रों को नियमित फील्ड विजिट कर कार्यों की सघन मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने पोषण ट्रैकर ऐप में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और बच्चों की उपस्थिति की शत प्रतिशत सटीक और त्रुटिरहित एंट्री सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों में समय पर नाश्ता और भोजन की समुचित मात्रा में उपलब्धता को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। श्रीमती राजवाड़े ने अधिकारियों से कुपोषण की रोकथाम हेतु समन्वित रणनीति अपनाने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि यह कार्य जिले में विशेष प्राथमिकता के साथ किया जाए। कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल को नियमित फील्ड विजिट की निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश।

हार मत, ये मंजिलें तेरी परीक्षा तो लेगी... तू मेहनत करेगा दिल से, तो शोर तेरी सफलता खुद मचा देगी : अन्तर्मना

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज की कुलचाराम से बद्रीनाथ अहिंसा संस्कार पदयात्रा चल रहा है आज 15/04/2025 जिला अल्मोड़ा उत्तराखंड में आहारचर्या में होंगी अंतर्मना ससंघ का निरंतर अष्टापद बद्रीनाथ धाम के लिए चल रहा है पदविहार मे प्रवचन मे कहाँ की।

हार मत, ये मंजिलें तेरी परीक्षा तो लेगी.. तू मेहनत करेगा दिल से, तो शोर तेरी सफलता खुद मचा देगी। ईर्ष्या एक दीमक है, जो जीवन को भीतर ही भीतर खोखला कर देती है। किसी की प्रसिद्धि से हम जले नहीं, बल्कि प्रेरणा लें कि हमें भी जीवन में कुछ करना है, जिससे औरों को भी प्रेरणा मिल सके। साधु सन्तों में कुछ ऐसे साधु भी है जिन्हें मेरा तप, त्याग, मौन, एकान्त में रहना हजम नहीं हो रहा। उनसे तप, त्याग की अनुमोदना की उम्मीद करना बेकार है। मेरे पास कुछ ऐसे आचार्यों और साधु, सन्त, त्यागी, व्रतियों के नाम है जो दिल खोलकर तप, त्याग, मौन साधना की अनुमोदना और प्रशन्सा करते हैं। मैं तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर जी गुरूदेव की कृपा-प्रेरणा से तप, त्याग, साधना को विश्व व्यापी बना रहा हूँ। अब जिसको भी देखो, साधु समाज हो या श्रावक समाज, अपनी शक्ति अनुसार व्रत, उपवास, संकल्प को लेकर अपना मोक्ष मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। जो स्वयं को जलाकर जग को रौशन करे, वो दीप-धर्म है, और जो स्वयं को तपाकर दुनिया को जगा दे, वो सन्त धर्म है।

समत्व की साधना ही सन्त धर्म है। समता से विच्छिन्न होने के दो कारण है। एक- अपने ही किसी साधर्मी भाई की सफलता को पचा नहीं पाना, और दूसरा - अपनी स्वयं की आलोचना सहन नहीं कर पाना। क्योंकि सन्त, सांड और सम्राट को उद्वेलित होने में ज्यादा वक्त नहीं लगता। ये तब होता है जब हमारी अपेक्षाओं की उपेक्षा होती है।ध्यान रखना!सन्त के जीवन में केवल वाही वाही के फूल नहीं बरसते हैं, वरन निंदा आलोचना की कीचड़ भी उछाली जाती है। इसलिए सन्त मुनि को चाहिए कि वो अपनी सत साधना में मस्त रहे, ठीक वैसे ही जैसे हाथी अपनी मस्ती में चलता है, पीछे ध्यान नहीं देता कि कौन भौंक रहा है।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल

नगरीय निकाय चुनाव में निर्वाचित हुए अग्रबंधुओं का हुआ सम्मान

सेवा के कार्य में सभी नवनिर्वाचित अग्र बंधु सदैव रहें तत्पर : बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर (विश्व परिवार)। अग्रवाल सभा रायपुर एवं अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा नगरीय निकाय चुनाव में निर्वाचित अग्र बंधुओं का सम्मान माननीय बृजमोहन अग्रवाल जी सांसद रायपुर के मुख्य आथित्य मै आज मैक कॉलेज मै सम्पन्न हुआ।

आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बृजमोहन अग्रवाल जी सांसद रायपुर विशेष अतिथि के रूप में राजेश अग्रवालजी विधायक अंबिकापुर राजीव अग्रवाल जी अध्यक्ष csidc की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। अग्रवाल सभा अध्यक्ष विजय अग्रवाल महामंत्री मनमोहन अग्रवाल प्रचार प्रसार प्रभारी प्रमोद जैन ने बताया कि आज के कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथिबृजमोहन अग्रवाल जी सांसद रायपुर राजेश अग्रवालजी विधायक अंबिकापुर राजीव अग्रवाल जी csidc अध्यक्ष नवीन अग्रवालजी अध्यक्ष जिला पंचायत रायपुर विजय अग्रवालजी अध्यक्ष अग्रवाल सभा मनमोहन अग्रवाल महामंत्री अग्रवाल सभा सीताराम अग्रवाल जी संरक्षण अग्रवाल सभा कृष्ण कुमार अग्रवाल योगी अग्रवाल द्वारा अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ क्या गया।

कार्यक्रम का शुभाराम सभा के अध्यक्ष विजय अग्रवाल द्वारा स्वागत उद्बोधन द्वारा किया गया विजय अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में नगरीय निकाय में नवनिर्वाचित अग्र बंधुओं को बधाई देते हुए प्रसन्नता जाहिर करते हुए भविष्य में सभी को एक जूट होकर कार्य करने बाबत कहा। कार्यक्रम को राजेश अग्रवाल विधायक अंबिकापुर ष्द्वद्बस्रष्ट अध्यक्ष राजीव अग्रवाल जी ने भी संबोधित करते हुए नवनिर्वाचित सभी अग्र बंधुओं को बधाई देते हुए सेवा के कार्य करने की बात कही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बृजमोहन अग्रवाल जी ने अपने उद्बोधन में सर्व प्रथम नगरीय निकाय में निर्वाचित अग्र बंधुओं को बधाई दी और कहा कि हम सभी अग्रसेन जी के वंशज हैं हम सभी को सेवा के कार्य से जुड़ना चाहिए साथ ही सभी को आम लोगों मै भी सेवा की भावना जागृत करनी चाहिए और आम जनता का दिल जीतने का कोशिश करते हुए कार्य करना चाहिए।

दीक्षार्थी सुरेश शाह की जयपुर से मंदसौर के लिए हुई अश्रुपूरित बिदाई, 20 अप्रैल को मंदसौर में होगी जिनेश्वरी

जयपुर (विश्व परिवार)। पूरे विश्व में छोटी काशी के नाम से विख्यात धार्मिक नगरी राजधानी जयपुर का सौभाग्य है कि दिगम्बर जैन प्रथमाचार्य शांति सागर से लेकर परपंरा के वर्तमान पंचम पट्टाधीश आचार्य वर्धमान सागर मुनिराज सहित अनेक आचार्यों, साधुओं से अनेक भव्य प्राणियों ने जैनेश्वरी दीक्षा लेकर मानव जीवन सार्थक किया। बोली /मालवीय नगर जयपुर निवासी 75 वर्षीय ब्रह्मचारी सुरेश शाह अपने गृहस्थ अवस्था के पुत्र वर्तमान मुनि हितेंद्र सागर का अनुशरण कर 20 अप्रैल 2025 को मध्यप्रदेश के अतिशय क्षेत्र बही पार्श्वनाथ मंदसौर में आचार्य वर्धमान सागर मुनिराज से दीक्षा लेने हेतु मालवीय नगर समाज एवं परिजनों से मंगलवार को भावभीनी बिदाई लेकर मंदसौर के लिए प्रस्थान किया। राजस्थान जैन सभा के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार इस मौके पर जहां दीक्षार्थी सुरेश शाह के संयमी होने की खुशी थी वहीं परिजनों को बिछड़ने का दु:ख नेत्रों से झलक रहा था, जो सभी को भावुक कर रहा था। समाजसेवी राजेश पंचोलिया ने बताया कि आचार्य वर्धमान सागर मुनिराज ने इसके पूर्व दीक्षार्थी सुरेश शाह के तीसरे पुत्र महेन्द्र शाह (वर्तमान में मुनि हितेंद्र सागर) मुनि विवर्जित सागर को दीक्षा दी है।

75 वर्षीय आचार्य वर्धमान सागर मुनिराज ने 56 वर्ष के संयमी जीवन में 35 वर्ष की आचार्य अवधि में अभी तक इसके पूर्व 114 दीक्षा दी है। 21 वी सदी के प्रथम आचार्य शांति सागर श्रमण परंपरा के सर्वोच्य नायक आचार्य वर्धमान सागर पंचम पट्टाधीश पद को सुशोभित कर रहे है। दीक्षार्थी सुरेश शाह को पत्नी श्रीमती सुनीता, पुत्र गजेंद्र शाह, मनोज, पुत्री कमलश्री सहित परिजनों हरक चंद लुहाड़िया, शिखर चंद जैन, रामपाल, नीरज लुहाड़िया, पारस कासलीवाल, मुकेश कासलीवाल, सुमित्रा छाबड़ा आदि सहित समाज बन्धुओं ने जुलूस के माध्यम से दीक्षार्थी श्री शाह को बिदाई दी। **-विनोद जैन कोटखावदा**

ग्वालियर आगमन पर श्री नेमि गिरनार धर्म पद यात्रा का होगा भव्य स्वागत अभिनंदन

ग्वालियर (विश्व परिवार)। प्रथम तीर्थंकर श्री 1008 आदिनाथ भगवान जी के जन्म एवं तप कल्याण के अवसर पर 23 मार्च को बलबीर नगर दिल्ली से गिरनार जी गुजरात के लिए प्रारम्भ हुई श्री नेमि गिरनार धर्म पदयात्रा की तैयारी के लिए कल रविवार 13अप्रेल को रात्रि में जैन छात्रावास ग्वालियर में ग्रेटर ग्वालियर सकल जैन समाज की मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग की अध्यक्षता श्री निर्मल जी जैन मारसंस द्वारा की गयी। विशेष अतिथि के रूप में राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ के मध्य प्रदेश के प्रांत प्रमुख श्री राकेश जैन गोहिल एवं यात्रा संयोजक महेन्द्र जैन भैयन शिवपुरी उपिस्थित थे।

वीर शिक्षा समिति के सचिव डॉ.मुकेश जैन ग्वालियर ने बताया कि सर्व प्रथम पं. श्री अनुभव जैन जी के मंगलाचरण से मीटिंग का शुभारंभ हुआ। इसके उपरांत जैन समाज ग्वालियर की ओर से पूर्व कलेक्टर श्री आर के जैन ह्वस्, वीर शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री राजेंद्र जैन एडवोकेट, सकल जैन समाज महापंचायत के अध्यक्ष श्री पारस जैन, स्वर्ण मंदिर के अध्यक्ष श्री प्रवीण खंडेलवाल, मुरार जैन मंदिर कमेटी के अध्यक्ष श्री दिनेश जैन ऐसा वाले, महिला प्रतिनिधि मंडल से श्री मति दीपिका जैन, ग्वालियर मंदिर कमेटी की ओर से अध्यक्ष श्री पदम जैन मिलन के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष श्री महेन्द्र जैन टोंगया, जैन मिलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बालचंद जैन, श्री राजेश जैन बंटी भैया पूर्व अध्यक्ष क्षेत्रीय अध्यक्ष जैन मिलन, आदि ने ग्वालियर में विश्व जैन संगठन द्वारा आयोजित की जा रही श्री नेमि गिरनार धर्म पदयात्रा का ग्वालियर महानगर में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन हो इसकी तैयारी के लिए रूप रेखा मीटिंग में रखी। ग्रेटर ग्वालियर की लश्कर, ग्वालियर एवं मुरार से पधारे जैन समाज के सभी सदस्यों ने एकमत से रिटायर्ड कलेक्टर श्री आर के जैन ह्वस् को संरक्षक एवं श्री महेन्द्र जैन टोंगया जी को संयोजक नियुक्त किया। दोनों महानुभाव के साथ मिलकर ग्रेटर ग्वालियर की सकल जैन समाज की एक बृहद कार्यसमिति का गठन करके पूरी रूपरेखा शीघ्र ही तैयार की जायेगी।

जैन छात्रावास में आयोजित मीटिंग में ग्रेटर ग्वालियर सकल जैन समाज ने लिया फैसला

मींटिग में राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ के मध्य प्रदेश प्रांत प्रमुख श्री राकेश जैन गोहिल भोपाल ने भी अपने विचार रखे और बताया कि विश्व जैन संगठन द्वारा आयोजित की जा रही श्री नेमि गिरनार धर्म पदयात्रा को दिगंबर श्वेतांबर जैन समाज के सभी आचार्यों एवं साधु संतों का भरपूर आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। एवं भारत के अनेक संसद सदस्य एवं विधायकों ने भी धर्म पद यात्रा को समर्थन दिया है।

राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ मध्य प्रदेश की सभी स्थानों की शाखाओं के सदस्य भी मिलकर पूरे मध्य प्रदेश में धर्म पदयात्रा का भव्य स्वागत सत्कार करेंगे। जिसके लिए मयंक जैन इंदौर एवं महेन्द्र जैन भैयन शिवपुरी को संयोजक के रूप में जिम्मेदारी दी गई है।

मीटिंग के पूर्व महेन्द्र जैन भैयन शिवपुरी ने श्री नेमि गिरनार धर्म पदयात्रा के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि यह धर्म पदयात्रा 1500 किमी से अधिक की धर्म पदयात्रा है, जो की 101 दिन में भारत के दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र प्रांत के अनेक स्थानों से निकलती हुई अंत में गुजरात प्रांत के अहमदाबाद होकर जूनागढ़ जिले में स्थित 22 वें तीर्थंकर श्री 1008 नेमिनाथ भगवान के निर्वाण कल्याणक महोत्सव आषाण शुक्ला सप्तमी 2 जुलाई को श्री गिरनार जी की 5 वीं टोंक पर निर्वाण लाडू समर्पित करके समाप्त की जायेगी। इस धर्म पदयात्रा का नेतृत्व विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संजय जैन विश्वास नगर दिल्ली द्वारा किया जा रहा है। जिसमें वह स्वयं पूरी यात्रा पैदल ही तय कर रहे हैं।

20 अप्रेल की शाम इटावा से चलकर भिण्ड रोड़ पर मध्य प्रदेश में 21 अप्रेल को चंबल पुल से होकर बरासो के प्राचीन जैन मंदिर पर भिण्ड एवं फूप की जैन समाज द्वारा धर्म पदयात्रा की भव्य अगवानी की जायेगी। सकल जैन समाज भिण्ड द्वारा 22 अप्रेल को भिण्ड नगर में भव्य स्वागत अभिनंदन इस यात्रा का किया जायेगा। इसके उपरांत 23 अप्रेल को मेहंगाव, 24 अप्रेल को गोहद चौराहा, 25 अप्रेल को सुबह मालनपुर से प्रस्थान करके 26 अप्रेल की शाम को श्री नेमि गिरनार धर्मपद यात्रा गोले के मंदिर से ग्वालियर में प्रवेश करेगी।

26 अप्रेल की शाम एवं रविवार 27 अप्रेल की सुबह- शाम यह धर्मपद यात्रा ग्रेटर ग्वालियर के ग्वालियर, लश्कर एवं मुरार में धर्म प्रभावना करेगी। इस दौरान ग्रेटर ग्वालियर के अनेक स्थानों पर सकल जैन समाज ग्वालियर के सभी महिला पुरूष संगठनों के द्वारा धर्मपद यात्रा का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया जायेगा। 28 अप्रेल को यह धर्म पद यात्रा डबरा के लिए प्रस्थान करेगी।

अंत में वीर शिक्षा समिति के सचिव श्री मुकेश जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। मीटिंग का शानदार संचालन श्री सोनागिर जी सिद्धक्षेत्र कमेटी के मंत्री श्री बालचंद जी के द्वारा किया गया। मीटिंग में ग्रेटर ग्वालियर सकल जैन समाज की तीनों शैली लश्कर, ग्वालियर एवं मुरार से सेंकड़ों सदस्य उपिस्थित थे। जिन्होंने एक मत होकर श्री नेमि गिरनार धर्म पद यात्रा का ग्वालियर में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन करने का निर्णय लिया। **-संजय जैन**

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर बुधवार 16 अप्रैल 2025

संक्षिप्त समाचार

घर में महिला की मिली खून से सनी लाश

बालोद(विश्व परिवार)। जिले में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. ग्राम निपानी गांव के एक घर में महिला की खून से सनी लाश मिली है. महिला के शरीर पर धारदार हथियार से चोट के निशान हैं. परिजनों की शिकायत पर बालोद पुलिस और सायबर सेल की टीम मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने के बाद मामले की जांच में जुट गई है. जानकारी के अनुसार, मृतक महिला रामबत्ति साहू पति रमेश 35 वर्ष घर मे अकेली थी और पति और बच्चे अलग-अलग कार्यों से बाहर गए हुए थे. इसी दौरान रात को करीब 12 बजे बच्चे वापस घर पहुंचे तो उनके होश उड़ गए. बच्चों को जमीन पर अपनी मां की खून से लथपथ लाश पड़ी मिली. बच्चों ने घटना की सूचना परिवार वालों को दी, जिसके बाद आज सुबह पुलिस में सूचना दी गई. ये बात भी सामने आई कि महिला को अवैध संबंध के चलते किसी ने मौत के घाट उतारा है.

कार चोरी मामले में नाबालिग गिरफ्तार

गरियाबंद(विश्व परिवार)। प्रार्थी डोमेन्द्र देवांगन निवासी सुरसाबांधा थाना हाजिर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि अपने कार आई. सीजी 10 ङ्क 3730 से दिनांक 12.04.2025 को पारिवारिक काम से अपने परिवार के साथ दुर्ग गया था। वहां से रात्रि करीबन 01 बजे अपने घर वापस आ कर अपने घर के सामने अपने कार को खड़ा किया था। जिसकी चाबी घर के अंदर खिड़की के पास रख कर सो गया था। सुबह करीबन 06:00 बजे प्रार्थी की पत्नी ने प्रार्थी से पुछा कि कार कहां रखे हो ,तब घर के बाहर जा कर देखने पर कार घर के बाहर नही था। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना राजिम में चोरी का मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए गरियाबंद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा अज्ञात चोर की पतासाजी कर शीघ्र गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया था। विवेचना के दौरान पुछताछ एवं मुखबीर से पता चला था कि विधि से संघर्षरत बालक चोरी के कार सीजी 10 ङ्क 3730 में घूमते देखने की सूचना मिली है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय कर विधि से संघर्षरत बालक को पकड़ा गया। जिसे पुलिस हिरासत में लेकर कर पुछताछ करने पर उक्त आरोपी विधि से संघर्षरत बालक के द्वारा कार को चोरी करना स्वीकार किया गया।

तलवार लेकर लोगों को डरा रहा युवक गिरफ्तार

गरियाबंद(विश्व परिवार)। आज दिनांक को थाना प्रभारी राजिम निरीक्षक अमृत लाल साहू को सूचना मिला की एक व्यक्ति राजिम बस स्टैण्ड के पास अपने कब्जे में अवैध रूप से हथियार रखकर हवा में लहरा कर राहगीरों को दिखाकर डारा धमका रहा है कि सूचना पर थाने से पुलिस टीम घटना स्थल रवाना किया गया। घटना स्थल बस स्टैण्ड के पास एक आरोपी अपने हांथ में तलवारनूमा हथियार को हवा में लहराते हुए राहगीरों को डरा धमका रहा था। जिसे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया। पुलिस हिरासत में लेकर नाम पता पुछने पर अपना नाम भीषम साहू उम्र 29 वर्ष निवासी पटेवा थाना गोबरानवापारा बताया। आरोपी को उक्त कृत्य अपराध धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का पाये जाने से आरोपी के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण के विवेचना के दौरान आरोपी भीषम साहू के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने से समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने पंचायत प्रतिनिधियों से किया संवाद

माओवाद मुक्त पंचायत बनाने पर मिलेगा 1 करोड़ की विकास निधि

बस सेवा, मोबाइल सेवा और बिजली कनेक्टिविटी से भी जोड़ा जाएगा

सुकमा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा शनिवार को सुकमा के एक दिवसीय दौरे पर पहुँचे। सर्किट हाउस पहुँचने पर उन्हें गार्ड ऑफ़ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। इसके पश्चात वे आत्मसमर्पित नक्सलियों से मुलाक़ात करने नक्सल पुनर्वास केंद्र पहुंचे। इसके पश्चात गृहमंत्री विजय शर्मा कलेक्ट्रेट कार्यालय सुकमा पहुंचे जहां उन्होंने नक्सल प्रभावित संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों के सरपंच, जनपद सदस्य और जिला पंचायत सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्य रूप से नक्सलवाद मुक्त बस्तर के संबंध में चर्चा की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में गृहमंत्री विजय शर्मा ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों से परिचय प्राप्त किया। इसके पश्चात उन्होंने सभी सदस्यों से उनके क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। गृहमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर में विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। यहाँ के बच्चे बहुत प्रतिभाशाली हैं। हम सबको मिलकर अपने पंचायत को माओवाद सदस्य मुक्त बनाना होगा। माओवाद के कारण क्षेत्र का विकास रुक जाता है। आप सभी पंचायत प्रतिनिधियों के माध्यम से जो भटके लोग समाज की मुख्य धारा में जुड़ना चाहेंगे उन सबका पुनर्वास होगा।आत्मसमर्पित नक्सली को तत्काल 50 हज़ार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की जाएगी और उनके लिए 4-5 महीने का आवासीय कौशल प्रशिक्षण का व्यवस्था भी शासन के द्वारा किया जाएगा। इस प्रशिक्षण के दौरान उनको मुफ्त में रहना खाना और साथ में 10 हज़ार रुपये की आर्थिक सहायता राशि भी प्रदान की जाएगी। सरकार के द्वारा नक्सल मुक्त पंचायत घोषित होने पर तत्काल ग्राम पंचायत को 1 करोड़ रुपए के विकास कार्य स्वीकृत किए जाएँगे। इसके साथ ही जनपद सदस्यों और जिला पंचायत सदस्यों को भी विकास कार्य के लिए अलग से राशि प्रदान की जाएगी। संबंधित गांव को बस सेवा, मोबाइल सेवा और बिजली कनेक्टिविटी से भी जोड़ा जाएगा। पीएम आवास प्लस योजना के अंतर्गत मोबाइल एप के ज़रिए ऑनलाइन सर्वे का कार्य किया जा रहा है। आप सभी पंचायत पदाधिकारी ज़्यादा से ज़्यादा हितग्राहियों को पीएम आवास प्लस में पंजीयन के लिए जागरूक करें।आप सभी से अनुरोध है कि बस्तर के जनता के मन की बात को समझें और बस्तर से माओवाद को खत्म करने की दिशा में कार्य करें। आप सभी के सहयोग से गृहमंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जल्द ही माओवाद मुक्त छत्तीसगढ़ का सपना साकार होगा। इस अवसर पर बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने भी जनप्रतिनिधियों को संबोधित किया। इसके साथ ही बस्तर आईजी श्री पी सुंदरराज और पंचायत विभाग के सचिव श्री तारण प्रकाश सिन्हा ने विभिन्न शासकीय योजनाओं और पुनर्वास नीति के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की।

शासन की गांव चलो बस्ती चलो अभियान गांव के विकास में महती भूमिका निभाएंगी : रंजना साहू

ग्राम अंगारा में पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने चलाया गांव चलो बस्ती चलो अभियान

धमतरी(विश्व परिवार)। गांव चलो बस्ती चलो अभियान एक सामाजिक जागरुकता और विकास पर केंद्रित पहल है जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में समग्र विकास लाना है यह अभियान मुख्य रूप से केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को घर घर पहुंचने का एक मुहिम है। इसी के अंतर्गत कार्यक्रम प्रभारी भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने ग्राम अंगारा में गांव चलो बस्ती चलो अभियान के तहत शासन की योजनाओं की जानकारी ग्राम वासियों को दिए श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने शासन की योजनाओं कि जानकारी देते हुए कहा कि ग्रामीण और शहरी पिछड़े क्षेत्र का विकास करना, स्वास्थ्य शिक्षा स्वच्छता रोजगार की सुविधा पहुंचाना, स्थानीय लोगों को आत्मनिर्भर बनाना, युवा वर्ग को ग्रामीण विकास से जोड़ना, बस्तियों में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण देना साथ ही युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने का प्रयास करने के लिए गांव चलो बस्ती चलो अभियान का मुख्य उद्देश्य है। श्रीमती साहू ने आगे कहा कि यह अभियान सिर्फ सरकार या किसी संस्था की जिम्मेदारी नहीं है यह हम सब की जिम्मेदारी है अगर हम सब मिलकर एक गांव को भी आत्मनिर्भर बना दें तो यह देश के लिए बहुत बड़ी सेवा होगी, भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता इस अभियान से जुड़कर केंद्र व राज्य सरकार के शासन की योजनाओं की जानकारी घर-घर पहुंचा कर अपना योगदान दे। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक भगत यादव, पूरी पूर्व सरपंच चिरौंजी साहू, पूर्व सरपंच ओमलता साहू, उपसरपंच खुमान साहू, कार्यक्रम सहसंयोजक भीमसेन साहू, जनकलाल साहू, विवेकदास साहू, कोमल साहू, ताराचंद साहू, रामभरोसा साहू, पुनेश्वर साहू, राजेंद्र यादव, आत्मा साहू, गिरधर साहू, सुरेंद्र साहू, असंग साहू, श्रीमती केकती भाई, डिगेश्वरी साहू, सोनसीर साहू, अमृत साहू, संतोषी यादव, रमशीला बाई, गीता बाई, पीलिया बाई यादव, तुमेश्वरी यादव, ऐना बाई, संगीता ध्रुव सहित अन्य उपस्थित रहे।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर सामाजिक समरसता दिवस का हुआ आयोजन

कोण्डागांव(विश्व परिवार)। डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती को स्थानीय ऑडिटोरियम में सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाया गया, जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा वर्चुअल माध्यम से जुड़कर कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन करते हुए किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायतों में अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केन्द्र हेतु प्रति विकासखण्ड से आहूत 10-10 ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सीएससी के सर्विस प्रदाता के मध्य एमओयू की कार्यवाही हुई और 24 अप्रैल को पंचायत राज दिवस के अवसर पर अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र का शुभारंभ होगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत 15 अप्रैल से 30 अप्रैल तक आयोजित सर्वेक्षण विशेष पखवाड़ा 'मोर दुवार साय सरकार' महाभियान की जानकारी दी और अभियान के तहत छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने की बात कही। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने कहा कि आज पंचायतों को सशक्त बनाने और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए ग्राम पंचायतों में सीएससी और वीएलई सेवा का शुभारंभ किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं के राशि का गांव में ही आहरण की सुविधा मिलेगी। इस दौरान उन्होंने जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रगति की भी जानकारी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर के देश के प्रति योगदान को याद किया और कहा कि संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने समाज को शिक्षा के महत्व को बताया और समाज में भेद भाव को दूर कर समानता लाने का कार्य किया। नगर पालिका उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला। संविधान की प्रस्तावना का किया गया सामूहिक वाचन कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल ने भारत के संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया। जल संरक्षण की ली गई शपथ कार्यक्रम में सभी को राष्ट्रीय जल मिशन अंतर्गत जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

स्कूटी से शराब तस्करी युवक गिरफ्तार

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग, अति0 पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा व नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक द्वारा जिले में चलाये जा रहे अवैध शराब बिक्री, शराब परिवहन की रोकथाम के विरूद्ध अभियान के तहत जरिये मुखबीर सूचना मिला कि रेवाडीह अमोरा होटल के पास भूपेन्द्र सिन्हा नामक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बिक्री करने हेतु ग्राहक का इंतजार कर रहा है की सूचना पर थाना प्रभारी लालबाग प्रशिक्षु भा0पु0से0 ईशु अग्रवाल के नेतृत्व में थाना पेट्रोलिंग के हमराह स्टाफ समक्ष गवाहो के होटल अमोरा रेवाडीह के पास पहुंचकर घेराबंदी कर एक व्यक्ति को पकड़ा गया जो नाम पूछने पर अपना नाम भूपेन्द्र सिन्हा पिता स्व0 परघनिया सिन्हा उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम बधियाटोला थाना डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव का होना बताये जिनके कब्जे से कपड़े के थैले एवं प्लास्टिक बोरी में रखे 18 बॉटल बीयर, 10 नग देशी पौवा एवं 35 नग मशाला देशी पौवा शराब किमती 10050 रूपये व नगदी रकम 200 रूपये एवं एक्टिवा स्कूटी क्रमांक सी जी 08 बी ए 9833 को आरोपी के कब्जे से समक्ष गवाहों के जप्त किया गया।

वन मंत्री केदार ने किया आठ विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

जिले वासियों को 91 लाख रुपए की विभिन्न निर्माण कार्यों की सौगात

नारायणपुर(विश्व परिवार)। राज्य सरकार के वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास, सहकारिता और संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप के द्वारा विकासखण्ड नारायणपुर के गायत्री मंदिर में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। वन मंत्री केदार कश्यप ने जिले वासियों के लिए 91 लाख 8 हजार 128 रुपए से निर्माण कार्यों की लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर सौगात दी। उन्होंने हल्बा समाज भवन के समीप सांस्कृतिक मंच निर्माण कार्य के लिए 3 लाख रुपये, हल्बा समाज भवन के समीप शेड निर्माण के लिए 2 लाख रुपये, पुलिस लाईन नारायणपुर में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 5 लाख रुपये, नयापारा मे शिव मंदिर के समीप शेड निर्माण के लिए 2 लाख रुपये, एस.पी.ओ. कॉलोनी नारायणपुर में नवीन हैण्डपंप खनन् कार्य के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये, गुरूद्वारा के समीप सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 14 लाख 64 हजार रुपये, बखरूपारा में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 20 लाख रुपये एवं सामुदायिक शेड निर्माण कार्य गायत्री मंदिर के समीप 15 लाख रुपये का भूमिपूजन किया। शासकीय पॉलिटेक्निक 27 लाख 94 हजार 128 रुपये में निर्मित कंप्यूटर लेब का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत के अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगरपलिका अध्यक्ष इन्द्रप्रसाद बघेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रताप सिंह मण्डावी, जनपद पंचायत अध्यक्ष पिंकी उसेण्डी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष ओरछा मंगडूराम नूरेटी, सर्वआदिवासी समाज के संरक्षक रूपसाय सलाम, गौतम एस गोलछा, बृजमोहन देवांगन, जिला पंचायत सीईओ आकांक्षा शिक्षा खलखो, अभयजीत मण्डावी, पार्षदगण, जिला पंचायत एवं जनपद के सदस्यगण सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सवा साल में बस्तर बदहाल,डबल इंजन की सरकार की लापरवाही से इन्द्रावती और बस्तर दोनों संकट में-दीपक बैज

बस्तर की बहुमूल्य खदानों को मित्रों को सौंप रही डबल इंजन की सरकार

जगदलपुर (विश्व परिवार)। आज संभाग मुख्यालय राजीव भवन में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया जिसे छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री दीपक बैज ने संबोधित किया..श्री बैज ने प्रेसवार्ता को संबोधित कर भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा सरकार के सवा साल में बस्तर पूरी तरह से बदहाल हो चुका है राज्य में जबसे डबल इंजन की सरकार बनी है बस्तर और बस्तरवासियों का शोषण शुरू हो गया है, बस्तर के आम आदमी रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, जैसी मूलभूत आवश्यकताओं पर वर्तमान सरकार कोई काम नही कर रही है। बस्तर के लोगों के जीवन में परिवर्तन के लिये कांग्रेस की सरकार ने 5 साल में जो काम शुरू किया था वर्तमान सरकार ने उन सारी योजनाओं को बंद कर दिया। तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिये शुरू की गयी शहीद महेन्द्र कर्मा तेंदूपत्ता संग्राहक बीमा योजना को बंद कर दिया। 65 से अधिक वनोपजों के वेल्यू एडीशन काम को बंद कर दिया, बस्तर कनिष्ठ चयन बोर्ड की कार्यवाही बंद हो गयी, हाट बाजार क्लीनिक दम तोड़ चुकी है। कोदो, कुटकी, रागी की खरीदी बंद है। मलेरिया उन्मूलन अभियान दम तोड़ चुकी है। देश भर में चर्चित तथा बस्तर में रोजगार का प्रमुख साधन डेनेक्स भी बदहाल हो चुका है। पिछले सवा साल में 100 से अधिक ग्रामीण फर्जी मुठभेड़ में मारे गये। भाजपा के लिये बस्तर का मतलब शोषण का केन्द्र मात्र है। सरकार के खिलाफ जनता की आवाज उठाने वालों को ही टार्गेट किया जा रहा है। एक बार फिर से बस्तर के लोंगों का लोकतांत्रिक अधिकार खतरे में है। हमारे जल, जंगल, जमीन हमारी संस्कृति पर

सरकार और सरकार के पूंजीपति मित्रों की नजर लग चुकी है।आज बस्तर की प्राणदायिनी इंद्रावती नदी पूरी तरह से सूख चुकी है, पिछले कई दिनों से इंद्रावती से सटे किसान इंद्रावती नदी में पानी की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं, परंतु डबल इंजन की सरकार किसानों की मांग को अनसुना कर इंद्रावती नदी में पानी के लिए उड़ीसा सरकार से चर्चा तक नहीं कर रही है।राज्य गठन के बाद छत्तीसगढ़ राज्य और उड़ीसा सरकार के बीच गर्मी के मौसम में इंद्रावती नदी के पानी के बंटवारे को लेकर 28 दिसंबर 2003 को एक अनुबंध हुआ था जिसमें उड़ीसा सरकार ने यह विश्वास दिलाया था कि गर्मियों के दिनों में जब इंद्रावती नदी में पानी कम होता है उस समय दोनों राज्य पानी का बराबर-बराबर बंटवारा करेंगे परंतु आज उड़ीसा में भाजपा की सरकार है जो उड़ीसा के खातिगुड़ा डैम से पानी नहीं छोड़ रही और जो पानी आ रहा है वो पानी भी जोरा नाला से उडीसा की ओर ही प्रवाहित होकर सबरी नदी में जाकर मिल जा रहा है जिसके चलते आज समूचा बस्तर गंभीर जल संकट से जूझ रहा है

छत्तीसगढ़ में भी भाजपा की सरकार है, उड़ीसा में भी भाजपा सरकार है, केन्द्र में भी भाजपा सरकार है बावजूद इसके बस्तर की जनता को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है यह भारतीय जनता पार्टी की उदासीनता का ही नतीजा है, बस्तर के लोग बस्तर की प्राणदायनी इंद्रावती नदी को तिल-तिल मारता हुआ देखने को मजबूर है।विगत 14 महीना से राज्य में भाजपा की सरकार है, जल संसाधन मंत्री बस्तर से ही आते हैं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बस्तर से हैं जो कि स्वयं जगदलपुर के विधायक हैं बावजूद इसके केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत 9 बड़े प्रोजेक्ट आज तक इंद्रावती नदी में इस सरकार ने आरंभ नहीं करा पाया है वही उड़ीसा सीमा से चित्रकूट जलप्रपात के बीच 10 छोटे एनीकेट बने हैं जिनमें से वर्तमान स्थिति में चार एनीकेट पूरी तरह से सूख चुके हैं, मटनार बैराज और देउरगांव बैराज को प्रशासनिक स्वीकृति ये सरकार नहीं दे रही है और ना ही ओडिशा सरकार पर खातिगुड़ा डैम से पानी छोड़ने दबाव बनाया जा रहा है।पिछले दिनों साय सरकार के राजनैतिक इवेंट के चलते चित्रकोट जलप्रपात में केबिनेट की मीटिंग रखी गयी, दिखावेबाजी के लिए चित्रकोट जलप्रपात में जल प्रवाह के लिए बनाये गये बांध से अनावश्यक पानी छोड़ा गया, उसी के चलते आज इंद्रावती में जल संकट है। मुख्यमंत्री की सुरक्षा का हवाला देकर अनेकों पेड़ काटे गये।आज बस्तर का किसान बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहा है और उसकी फसल नुकसान हो रही है वहीं बहुत जल्द ही बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर की जनता को भी बूंद बूंद पानी के लिए तरसना पड़ेगा, इस विष्णु देव साय की सरकार ने इंद्रावती नदी का पानी रोकने कोई पहल नहीं की जिसके चलते केन्द्रीय जल आयोग, राष्ट्रीय विकास जल अभिकरण और तेलंगाना सरकार 148 टीएमसी पानी छत्तीसगढ़ के बस्तर को देने की बजाए तेलंगाना सरकार को देने की बात भी कर रहे हैं।कांग्रेस बस्तरवासियों को सरकार के हाल पर नहीं छोड़ सकती। हम बस्तर की प्राणदा इंद्रावती को सूखते नहीं देख सकते। सरकार शीघ्र उड़ीसा सरकार के बात नहीं करती समस्या का समाधान नहीं करती तो हम आंदोलन को मजबूर होंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री दीपक बैज ने कहा बस्तर के संसाधनों पर भाजपा सरकार की बुरी नजर है, विष्णुदेव साय की सरकार ने छत्तीसगढ़ को एक बार फिर कॉरपोरेट घरानों का चारागाह बना दिया है।बस्तर की चार बड़ी लौह अयस्क खदानें निजी पूंजी पतियों को इसमें से 2 खदानें बैलाडीला 1। और बैलाडीला 1ठ की खदान आर्सेलर मित्तल को 50 साल के लिए लीज पर दे दिया।

आईपीएल 2025 : कैसे गेंद बदलने के नियम ने एमआई को रोमांचक जीत दिलाने में मदद की

नई दिल्ली(एजेंसी)। आईपीएल 2025 के लिए एक नया नियम आया है। अब शाम के मैच में जो टीम दूसरी पारी में गेंदबाजी कर रही होती है, वह 11वें ओवर के बाद कभी भी गीली गेंद बदल सकती है, जिससे ओस का असर कम किया जा सके। इस नियम को गेंदबाजों के लिए फायदेमंद बताया गया है, खासकर उन टीमों के लिए जो स्कोर बचाने की कोशिश करती हैं। रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआई) ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 205 रन बनाए। मैच के दौरान जैसे ही जसप्रीत बुमराह ने अक्षर पटेल का विकेट लिया, एमआई ने गेंद बदलने का फैसला किया। मैदान पर ओस को हटाने के लिए सुपर सॉपर्स भी इस्तेमाल किए जा रहे थे ताकि गेंदबाजों को परेशानी न हो। गेंद बदलने के बाद कर्ण शर्मा और मिशेल सैंटनर ने गेंद को बेहतर तरीके से ग्रिप किया और पिच से उछाल, टर्न और अच्छी पकड़ भी मिलने लगी। इससे बल्लेबाज़ों के लिए ऊंचे शॉट लगाना मुश्किल हो गया। कर्ण ने पहले स्टब्स को लॉन्ग ऑफ पर कैच करवाया और फिर केएल राहुल को खुद की गेंद पर कैच आउट कर दिया। इन विकेटों के बाद दिल्ली कैपिटल्स मुश्किल में आ गई थी। उन्हें 27 गेंदों में 46 रन चाहिए थे और सिर्फ़ 4 विकेट बचे थे। फिर ट्रेंट बोल्ट ने 17वें ओवर में सिर्फ तीन रन दिए और पांच यॉर्कर फेंके। सबको लगा कि अब हार्दिक पांड्या 18वां और 20वां ओवर डालेंगे और बुमराह को 19वां दिया जाएगा। लेकिन एमआई ने सैंटनर को 18वां ओवर दे दिया। शुरुआत में दिल्ली के विपराज निगम ने दो बाउंड्री लगाकर रोमांच बढ़ा दिया, लेकिन यह सैंटनर की योजना का हिस्सा था। उन्होंने अगली गेंद बहुत धीमी और बाहर फेंकी, जिससे निगम चकमा खा गए और स्टंप हो गए। इसके बाद, बुमराह पर दो चौके जरूर लगे, लेकिन मुंबई ने 3 रन आउट किए, जिनमें एक शानदार थ्रो सैंटनर ने मिड विकेट से सीधे मारा।

व्यापार समाचार

अजमेरा रियलिटी की चौथी तिमाही की बिक्री में 13 प्रतिशत की गिरावट दर्ज

नई दिल्ली(एजेंसी)। अजमेरा रियलिटी एंड इंफ्रा इंडिया लिमिटेड ने शुक्रवार को बताया कि वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में कंपनी का बिक्री मूल्य 13 प्रतिशत घटकर 250 करोड़ रुपये रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में यह 287 करोड़ रुपये था। कंपनी की स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, इस तिमाही में रियल एस्टेट कंपनी का कलेक्शन भी घटकर 182 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले साल की समान अवधि के 197 करोड़ रुपये से 8 प्रतिशत कम है। हालांकि, कंपनी ने पूरे वित्त वर्ष में स्थिर प्रदर्शन किया। अजमेरा रियलिटी ने वित्त वर्ष 2025 में 1,080 करोड़ रुपये की कुल बिक्री हासिल की, जो वित्त वर्ष 2024 के 1,017 करोड़ रुपये से 6 प्रतिशत अधिक है। इस साल कलेक्शन भी 13 प्रतिशत बढ़कर 646 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 570 करोड़ रुपये था। इस बीच, वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही के 35.35 करोड़ रुपये से घटकर 33.89 करोड़ रुपये रह गया, जैसा कि इसकी पिछली फाइलिंग में बताया गया था। परिचालन से राजस्व भी पिछली तिमाही के 199.96 करोड़ रुपये से 3.54 प्रतिशत घटकर 192.88 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी की फरवरी एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया है कि पिछले वर्ष की तीसरी तिमाही की तुलना में राजस्व में 206.67 करोड़ रुपये से 6.67 प्रतिशत की गिरावट आई है। कुल आय में भी गिरावट देखी गई, जो तिमाही आधार पर 2.46 प्रतिशत घटकर 199.09 करोड़ रुपये और सालाना आधार पर 208.59 करोड़ रुपये से 4.55 प्रतिशत कम रही। इसके विपरीत, कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया था, जिसमें कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ में 57 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 35.35 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही में यह 22.53 करोड़ रुपये था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर शुक्रवार को कंपनी का शेयर 18.75 रुपये या 2.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ 821.50 रुपये पर बंद हुआ।

जनरेटिव एआई भारत के बीमा उद्योग को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा

नई दिल्ली(एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), विशेष रूप से जनरेटिव एआई, इस वर्ष भारत के बीमा उद्योग को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसमें उत्पादकता को लेकर 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। यह जानकारी शुक्रवार को आई एक लेटेस्ट रिपोर्ट में दी गई। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की रिपोर्ट के अनुसार, वे बीमाकर्ता जो अंडरराइटिंग में एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं, वे स्ट्रक्चर्ड और अनस्ट्रक्चर्ड दोनों डेटा का इस्तेमाल कर 36 प्रतिशत तक दक्षता लाभ पा रहे हैं। कस्टमर सर्विस में एआई-पावर्ड नॉलेज असिस्टेंट जैसे टूल्स ने उत्पादकता में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की है। जबकि, सर्विस की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। क्लेम प्रोसेसिंग में एआई रियल टाइम में सिंपल क्लेम को 70 प्रतिशत तक रिसॉल्व करने में मदद कर रहा है, जिससे लागत में 30 से 50 प्रतिशत की कमी आती है और ग्राहकों को बेहतरीन एक्सपीरियंस मिलता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि आईटी में भी एआई उपयोगी साबित हो रहा है क्योंकि स्मार्ट ऑटोमेशन टूल बीमा कंपनियों को अपने क्लाउड माइग्रेशन टाइमलाइन को आधा करने और लागत में 30 प्रतिशत की बचत करने में मदद कर रहे हैं। एआई की बढ़ती क्षमता के बावजूद, रिपोर्ट में पाया गया कि कई बीमा कंपनियां अभी भी पायलट फेज में फंसी हुई हैं और उन्होंने अपने एआई प्रोजेक्ट्स को पूरी तरह से आगे नहीं बढ़ाया है। हालांकि, कुछ दूरदर्शी बीमा कंपनियां एआई का इस्तेमाल खासकर अंडरराइटिंग, क्लेम प्रोसेसिंग, कस्टमर सर्विस और आईटी ऑपरेशन में प्रतिस्पर्धा में आगे रहने के लिए कर रही हैं। बीसीजी में भारत की लीडर-इंश्योरेंस प्रैक्टिस पल्लवी मालानी ने कहा कि जेनएआई बीमा व्यवसाय के हर हिस्से को नया रूप दे रही है। उन्होंने बताया कि भारतीय बीमा कंपनियां कई एआई-आधारित प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट के साथ प्रयोग कर रही हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश ने अभी तक स्केल नहीं किया है। मालानी ने कहा, विशेष रूप से भारत में, हम देखते हैं कि बीमा कंपनियां कई प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट पर काम कर रही हैं, लेकिन इन उपयोग मामलों को बढ़ाया नहीं गया है। एआई से पूरी तरह से लाभ उठाने के लिए, कंपनियों को केवल तकनीक और डेटा से परे सोचना चाहिए और पहले दिन से ही व्यावसायिक प्रभाव, प्रक्रिया में बदलाव और कर्मचारी की तत्परता को शामिल करना चाहिए। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि जो बीमाकर्ता अपने एआई निवेश को व्यावसायिक लक्ष्यों के साथ जोड़ते हैं और उच्च प्रभाव वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वे प्रतिस्पर्धा में आगे निकल जाते हैं।

वॉट्सेप पर फोटो भेजकर हो रही ठगी नए स्कैम ने बढ़ाई सबकी टेंशन

नई दिल्ली(एजेंसी)। वॉट्सऐप इस्तेमाल करने वाले यूजर्स के लिए एक बड़ी चिंता की खबर सामने आई है। साइबर अपराधी अब वॉट्सऐप पर फोटो भेजकर लोगों कोे ठगी का शिकार बना रहे हैं। इस नए स्कैम में हैकर्स यूजर्स को एक धुंधली (ब्लर) फोटो भेजते हैं, जिसके नीचे एक ऐसा आकर्षक कैप्शन लिखा होता है कि ज्यादातर यूजर्स उसे डाउनलोड करने से खुद को रोक नहीं पाते। ठग यूजर्स को अपने जाल में फंसाने के लिए ब्लर फोटो के साथ अक्सर ऐसे संदेश भेजते हैं, जैसे ङ्क तुम्हारा एक पुराना फोटो मिला है या देखो, इस फोटो में दिखने वाला व्यक्ति तुम्हारा भाई है। उत्सुकता में आकर जैसे ही यूजर इस फोटो पर क्लिक करते हैं, साइबर अपराधियों का असली खेल शुरू हो जाता है। इस खतरनाक स्कैम को अंजाम देने के लिए शातिर हैकर्स 'स्टेग्नोग्राफी' नामक तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। इस तकनीक के माध्यम से हैकर्स किसी भी साधारण दिखने वाली फोटो में खतरनाक कोड (मलीशियस कोड) छिपा देते हैं। जैसे ही कोई यूजर इस मलीशियस कोड वाली फोटो पर क्लिक करता है, उसमें छिपा हुआ मैलवेयर तुरंत यूजर के डिवाइस में प्रवेश कर जाता है। मैलवेयर के फोन में पहुंचते ही हैकर्स को यूजर के स्मार्टफोन का पूरा नियंत्रण मिल जाता है। इस मैलवेयर के जरिए हैकर्स यूजर के फोन में मौजूद बैंकिंग और यूपीआई ऐप्स तक आसानी से पहुंच सकते हैं। इतना ही नहीं, वे टेक्स्ट मैसेज और वन-टाइम पासवर्ड (ह्रञ्जक्क) भी देख सकते हैं। सीधे शब्दों में कहें तो इस स्कैम के जरिए हैकर को यूजर के फोन का रिमोट एक्सेस मिल जाता है और वह अपनी मर्जी से फोन में मौजूद डेटा के साथ छेड़छाड़ कर सकता है।

आईपीएल में धीमी ओवर रेट के लिए इस टीम के कप्तान पर लगा 12 लाख रुपए का जुर्माना, फैंस निराश

नई दिल्ली(एजेंसी)। आईपीएल 2025 के एक मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ धीमे ओवर रेट के कारण दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। यह मुकाबला अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया, जहां दिल्ली कैपिटल्स को रोमांचक मुकाबले में 12 रनों से हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार, अक्षर पटेल को आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। इस अनुच्छेद के अंतर्गत धीमी ओवर गति बनाए रखने पर पहली बार अपराध के लिए कप्तान पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाता है। आईपीएल के बयान में कहा गया, चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अंतर्गत उनकी टीम का इस सत्र में पहला अपराध था, इसलिए पटेल पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। अक्षर पटेल इस सत्र में धीमी ओवर गति के लिए दंडित होने वाले एकमात्र कप्तान नहीं हैं। मुंबई इंडियंस के हार्दिक पांड्या, लखनऊ सुपरजायंट्स के ऋषभ पंत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के रजत पाटीदार पर भी इसी तरह के अपराध के लिए जुर्माना लगाया जा चुका है। मैच की बात करें तो मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 205/5 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स 19 ओवर में 193 रन पर ऑलआउट हो गई। करुण नायर ने 40 गेंदों पर शानदार 89 रनों की पारी खेली, लेकिन उनके प्रयास को बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका। मुंबई इंडियंस के कर्ण शर्मा ने अहम समय पर तीन विकेट चटकाए और मैच का रुख पलट दिया। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स की पारी में एक ओवर में तीन रन आउट भी देखने को मिले, जिसने मुकाबले को और रोमांचक बना दिया।

भारतीय एफएमसीजी कंपनियों की आय वित्त वर्ष 25 में एकल अंक में बढ़ेगी : रिपोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। वित्त वर्ष 25 में भारत की एफएमसीजी कंपनियों की आय एकल अंक में बढ़ने का अनुमान है। साथ ही वित्त वर्ष 26 के लिए आधार अनुकूल बना हुआ है। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में दी गई। बीएनपी परिबास इंडिया की रिपोर्ट में बताया गया कि एफएमसीजी आय में वृद्धि वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही के 4 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 5 प्रतिशत हो जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया, जैसे-जैसे व्यापार संबंधी चिंताएं कम होती हैं, हम हाल के बेहतर प्रदर्शन के उलट होने का जोखिम देखते हैं। हालांकि, निकट-अवधि में कुछ सकारात्मक पहलू भी हैं, जैसे कि कच्चे तेल की कीमत में गिरावट और हमारा आर्थिक हीट मैप ग्रामीण विकास के लिए सकारात्मक रुझान दिखा रहा है। मैरिको, डाबर और जीसीपीएल की टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि मांग मजबूत रही है, जबकि जनरल ट्रेड में कमजोरी के कारण शहरी मंदी वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में बनी रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि गोल्ड की कीमतों में बढ़ोतरी से ज्वेलरी कंपनियों को चौथी तिमाही में सालाना आधार पर मजबूत बिक्री वृद्धि दर्ज करने में मदद मिलेगी। पिछले वित्त वर्ष की शुरुआत में कंजम्प्शन सेक्टर की आय में वृद्धि कमजोर थी। इसकी वजह ग्रामीण मांग में धीमापन आना है। इसके अलावा कीमतों में कमी ने ग्रोथ पर दबाव बढ़ाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, तिमाही दर तिमाही ग्रामीण वृद्धि में मजबूती देखी गई। इसकी वजह अच्छा मानसून, कम आधार और उच्च खाद्य उत्पादों की कीमतें थी। रिपोर्ट में बताया गया, हालांकि, शहरी मांग में कमजोरी के कारण इसकी भरपाई हो गई। नतीजतन, हम उम्मीद करते हैं कि वित्त वर्ष 25 अधिकांश कंपनियां कम से लेकर मध्यम एकल अंकों की राजस्व वृद्धि के साथ समाप्त करेंगी। वित्त वर्ष 2025 में भारतीय मानसून पिछले साल (वित्त वर्ष 2024) की तुलना में लंबी अवधि के औसत से 6 प्रतिशत अधिक रहा। नतीजतन, जलाशयों का स्तर ठीक हो गया है।

रेलवे तत्काल टिकट: 15 अप्रैल से बुकिंग टाइमिंग में बदलाव की खबर वायरल, आईआरसीटीसी ने बताई सच्चाई

नई दिल्ली(एजेंसी)। लंबी दूरी की यात्रा के लिए भारतीय रेल को सबसे सुरक्षित, किफायती और लोकप्रिय माध्यम माना जाता है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर तत्काल टिकट बुकिंग के नियमों में बदलाव को लेकर कुछ खबरें तेजी से वायरल हो रही थीं। इन खबरों में दावा किया जा रहा था कि 15 अप्रैल 2025 से रेलवे तत्काल टिकट बुकिंग की टाइमिंग बदलने जा रहा है। इस खबर ने कई रेल यात्रियों के बीच कन्फ्यूजन पैदा कर दिया था। हालांकि, अब इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (द्बक्रष्टञ्जष्ट) ने खुद इस मामले पर स्थिति स्पष्ट की है। दरअसल, सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं में कहा जा रहा था कि भारतीय रेलवे, जो रोजाना करोड़ों लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाता है, 15 अप्रैल 2025 से तत्काल टिकट बुकिंग के समय में बदलाव करने वाला है। वायरल पोस्ट्स में यह भी दावा किया गया कि सामान्य तत्काल और प्रीमियम तत्काल टिकटों के लिए अलग-अलग समय निर्धारित किया जा सकता है। इस वायरल खबर से यात्रियों के बीच बढ़ती असमंजस को देखते हुए द्बक्रष्टञ्जष्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ङ्क' (पूर्व में ट्विटर) पर एक आधिकारिक बयान जारी किया है। द्बक्रष्टञ्जष्ट ने स्पष्ट किया है कि तत्काल टिकट बुकिंग के समय में किसी भी प्रकार का बदलाव न तो प्रस्तावित है और न ही ऐसा कोई बदलाव लागू किया जा रहा है। द्बक्रष्टञ्जष्ट ने अपने पोस्ट में लिखा, सोशल मीडिया चैनलों पर कुछ पोस्ट प्रसारित हो रहे हैं, जिनमें तत्काल और प्रीमियम तत्काल टिकटों के लिए अलग-अलग समय का उल्लेख किया गया है।‚ष्ट या ॡश्ठ्ठ-ष्ट क्लास के लिए तत्काल या प्रीमियम तत्काल बुकिंग समय में इस तरह का कोई बदलाव प्रस्तावित नहीं है। एजेंटों के लिए भी बुकिंग का समय अपरिवर्तित रहेगा। यात्रियों की जानकारी के लिए बता दें कि मौजूदा व्यवस्था के तहत तत्काल ई-टिकट यात्रा की तारीख से ठीक एक दिन पहले बुक किए जा सकते हैं। एसी क्लास (‚ष्ट ष्टद्यड्डह्यह्यद्गह्य ङ्क 2, 3, ष्टष्ट, श्वष्ट, 3श्व)ऱ् बुकिंग सुबह 10ञ्00 बजे शुरू होती है। नॉन-एसी क्लास (ॡश्ठ्ठ-ष्ट ष्टद्यड्डह्यह्यद्गह्य ङ्क स्रु स्नष्ट, 2स्)ऱ् बुकिंग सुबह 11ञ्00 बजे शुरू होती है।

बादाम से सुधरता है दिल और मेटाबॉलिज़्म का स्वास्थ्य वजन कम करने में भी मददगार

एक नए प्रकाशन में, दुनिया के बड़े स्वास्थ्य और पोषण विशेषज्ञों ने बताया है कि रोज़ाना बादाम खाने से दिल औरो शरीर की चयापचय (मेटाबॉलिज्म) सेहत अच्छी रहती है। 11 वैज्ञानिकों और डॉक्टरों ने बादाम और कार्डियोमेटाबॉलिक स्वास्थ्य पर अब तक हुई रिसर्च का विश्लेषण किया और इस बात पर सहमति जताई कि बादाम का नियमित सेवन कई प्रमुख स्वास्थ्य क्षेत्रों में लाभ पहुंचा सकता है। विशेषज्ञों ने पाया कि रोज़ाना बादाम खाना एक प्रभावी और प्रमाणित खानपान रणनीति है, जो हृदय स्वास्थ्य, वजन नियंत्रण और पाचन तंत्र (गट माइक्रोबायोम) को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है। इस सहमति पत्र में यह भी बताया गया है कि अगर कोई व्यक्ति प्रतिदिन कम से कम 50 ग्राम (1.8 औंस या लगभग दो मुट्ठी) बादाम का सेवन करता है, तो कुछ मामलों में मामूली रूप से वजन घटाने में भी सहायता मिल सकती है। करंट डेवलपमेंट्स इन न्यूट्रिशन में प्रकाशित सहमति पत्र, आमंड बोर्ड ऑफकैलिफोर्निया द्वारा वित्त पोषित एक वैज्ञानिक गोलमेज सम्मेलन के बाद तैयार किया गया है। डॉ. सीमा गुलाटी, न्यूट्रीशन रिसर्च ग्रुप, नेशनल डायबिटीज, ओबेसिटी एवं कोलेस्ट्रॉल फाउंडेशन की हेड, ने कहा भारत में कार्डियोमेटाबॉलिक स्वास्थ्य की बढ़ती समस्याओं के बीच, यह वैज्ञानिक अध्ययन सही समय पर आया है। इस अध्ययन से पता चला है कि बादाम खाने से एशियाई भारतीयों में खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल), फास्टिंग ब्लड शुगर और एचबीए 1 सी का स्तर कम हो सकता है। यह उस गलत धारणा को भी तोड़ता है कि बादाम खाने से वजन बढ़ता है। इसके बजाय, यह बताता है कि रोज़ाना 50 ग्राम (लगभग 1.8 औंस) बादाम खाने से वजन कम करने में भी मदद मिल सकती है। एशिया में रहने वाले भारतीयों के लिए शोध में पता चला कि रोज़ाना बादाम खाने से दिल की सेहत, मेटाबॉलिज्म और वजन को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

छत्तीसगढ़ शीर्ष छह राज्यों में शामिल; पुलिस प्रशिक्षण पर खर्च में सबसे अधिक वृद्धि – इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025 में खुलासा

रायपुर: देश में न्याय प्रणाली के प्रदर्शन पर आधारित एकमात्र रिपोर्ट, इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025 (IJR) आज जारी की गई। इस रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ को 18 बड़े और मध्यम आकार के राज्यों (प्रत्येक की आबादी 1 करोड़ से अधिक) में कुल मिलाकर छठा स्थान प्राप्त हुआ है (2022 में यह नौवें स्थान पर था)। पुलिस व्यवस्था में राज्य को चौथा, और कानूनी सहायता में सातवां स्थान मिला है।

शीर्ष स्थान पर कर्नाटक कायम है, इसके बाद आंध्र प्रदेश (2022 में 5वें से दूसरा), तेलंगाना (तीसरा), और केरल (छठा) स्थान पर हैं। छोटे राज्यों (1 करोड़ से कम आबादी) में सिक्किम ने फिर से पहला स्थान हासिल किया, इसके बाद हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश हैं।

द इंडिया जस्टिस रिपोर्ट (आईजेआर) की शुरूआत टाटा ट्रस्ट्स ने की थी और उसकी पहली रैंकिंग 2019 में प्रकाशित हुई थी। यह रिपोर्ट का चौथा संस्क रण है, जिसे सेंटर फॉर सोशल जस्टिस, कॉमन काउज, कॉमनवेल्थस ह्यूमन राइट्स इनिशियेटिव, दक्ष, टीआईएसएस-प्रयास, विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी और आईजेआर के डाटा पार्टनर हाऊ इंडिया लिव्स जैसे भागीदारों के साथ मिलकर बनाया गया है।

आईजेआर 2025 पिछली तीन रिपोर्ट की तरह परिमाण के आधार पर 24 महीने हुए कठिन शोध के माध्यलम से अनिवार्य सेवाओं की प्रभावी आपूर्ति के लिये न्याकय की आपूर्ति करने वाली संरचनाओं को सक्षम बनाने में राज्योंय का प्रदर्शन आंकती है। यह रिपोर्ट न केवल विभागीय आंकड़ों को एकत्र करती है, बल्कि न्याय वितरण की चार प्रमुख संस्थाओं – पुलिस, न्यायपालिका, जेल और विधिक सहायता – को छह मानकों: बजट, मानव संसाधन, कार्यभार, विविधता, अधोसंरचना और रुझानों के आधार पर राज्य-घोषित मानकों की कसौटी पर जांचती है। इस संस्करण में 25 राज्य मानवाधिकार आयोगों की क्षमताओं का भी पृथक मूल्यांकन किया गया है (अधिक जानकारी के लिए एसएचआरसी ब्रीफ देखें)। साथ ही दिव्यांगजनों के लिए न्याय तक पहुंच और मध्यस्थता विषय पर विशेष निबंध भी शामिल हैं।

एयरटेल ने ब्लिंकिट के साथ की साझेदारी, ग्राहकों को सिर्फ10 मिनट में घर पर मिल सकेंगे सिम कार्ड

नईदिल्ली। भारती एयरटेल ने आज एक अग्रणी कदम उठाते हुए अपने ग्राहकों को दस मिनट के भीतर सिम कार्ड की डिलीवरी के लिए क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की । किसी टेलीकॉम कंपनी द्वारा प्रदान की जाने वाली अपनी तरह की यह पहली सेवा अब तक देश के 16 शहरों में शुरू हो चुकी हैं। आने वाले समय में इस सेवा के अंतर्गत अन्य शहरों तथा कस्बों को जोड़ने की योजना है। यह साझेदारी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि यह ग्राहकों को ?49 के मामूली सुविधा शुल्क पर केवल 10 मिनट में उनके घर पर सिम कार्ड प्राप्त करने की सुविधा देती है। सिम कार्ड की डिलीवरी के बाद, ग्राहक आधार-आधारित केवाईसी प्रमाणीकरण के माध्यम से एक सरल एक्टिवेशन प्रक्रिया द्वारा नंबर को चालू कर सकते हैं। ग्राहकों के पास पोस्टपेड और प्रीपेड दोनों योजनाओं में से चुनने या एयरटेल नेटवर्क में पोर्ट करने के लिए एमएनपी ट्रिगर करने का विकल्प होगा। प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए, ग्राहक ऑनलाइन लिंक पर जाकर सहज एक्टिवेशन अनुभव के लिए एक्टिवेशन वीडियो भी देख सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ऐसे सभी एक्टिवेशन के लिए, एयरटेल ग्राहकों के पास एयरटेल थैंक्स ऐप के माध्यम से सहायता केंद्र तक पहुँचने का विकल्प है , यदि उन्हें किसी भी तरह की सहायता की आवश्यकता हो। नए ग्राहक किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता होने पर 9810012345 नम्बर पर सम्पर्क कर सकते हैं। सिम कार्ड की डिलीवरी के बाद, ग्राहकों के लिए 15 दिनों के भीतर सिम को एक्टिवेट करना अनिवार्य होगा, ताकि एक सहज और परेशानी मुक्त ट्रांज़िशन सुनिश्चित हो सके। भारती एयरटेल के कनेक्टेड होम्स के सीईओ और मार्केटिंग निदेशक सिद्धार्थ शर्मा ने इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए कहा; एयरटेल में हमारे हर कार्य का लक्ष्य ग्राहकों के जीवन को सरल बनाना है। आज हम 16 शहरों में ग्राहकों के घरों में 10 मिनट की सिम कार्ड डिलीवरी के लिए ब्लिंकिट के साथ साझेदारी करके रोमांचित हैं। आने वाले समय में हम इस साझेदारी को दूसरे शहरों में भी विस्तारित करने की योजना बना रहे हैं। ब्लिंकिट के संस्थापक और सीईओ अलबिंदर ढींडसा ने कहा, ग्राहकों का समय और परेशानी बचाने के लिए, हमने एयरटेल के साथ मिलकर चुनिंदा शहरों में ग्राहकों को सीधे सिम कार्ड डिलीवर करने के लिए साझेदारी की है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 16 अप्रैल 2025

बावली जलाशय के कार्यों के लिए 44.49 लाख रुपए स्वीकृत

रायपुर (विश्व परिवार)। जल संसाधन विभाग छत्तीसगढ़ शासन, ने कबीरधाम जिले के विकासखंड-बोड़ला की बावली जलाशय योजना के जीर्णोद्धार, पुलिया निर्माण नहर के सीसी लाईनिंग सहित अन्य कार्यों के लिए 44 लाख 49 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के कार्यों को कराने के लिए मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

30 अप्रैल तक जमा कर सकते हैं संपत्ति कर

नगरीय प्रशासन विभाग ने वर्ष 2024-25 के संपत्ति कर और विवरणी जमा करने दी 30 दिनों की विशेष छूट

सभी कलेक्टरों, नगर निगमों के आयुक्तों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को विभाग ने जारी किया परिपत्र

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नगरीय निकायों में वित्तीय वर्ष 2024-25 के संपत्ति कर और विवरणी जमा करने के लिए 30 दिनों की विशेष छूट प्रदान की है। अब ये 30 अप्रैल 2025 तक जमा किए जा सकते हैं। राज्य शासन ने सभी कलेक्टरों, नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को इस संबंध में परिपत्र जारी किया है।

नगरीय प्रशासन विभाग ने परिपत्र में कहा है कि नगरीय निकायों में संपत्तिकर तथा विवरणी जमा करने के लिए निर्धारित अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 निर्धारित है। इस वर्ष भी संपत्ति कर तथा विवरणी जमा करने के लिए अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 निर्धारित है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में लोकसभा निर्वाचन कार्य, निकायों का परिसीमन कार्य, मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य तथा स्थानीय निकायों के निर्वाचन आदि में आचार संहिता भी प्रभावी रही। इन कार्यों में निकायों के अधिकारी-कर्मचारी भी संलग्न रहे। फलस्वरूप राजस्व आय संग्रहण की कार्यवाही प्रभावित हुई है।

विभाग ने राजस्व संग्रहण के कार्यों के प्रभावित होने के मद्देनजर वर्ष 2024-25 के संपत्ति कर तथा विवरणी जमा करने के लिए अंतिम तिथि में 30 दिनों की विशेष छूट प्रदान करते हुए इसके लिए 30 अप्रैल 2025 की अंतिम तिथि निर्धारित की है। नगरीय प्रशासन विभाग ने परिपत्र के माध्यम से निकाय के कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर संपत्ति कर संग्रहण करने एवं नागरिकों को ऑनलाइन भुगतान के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने सभी नगरीय निकायों में इनका अनुपालन सुनिश्चित करते हुए कर संग्रहण के लिए किए गए कार्यों से शासन को अवगत कराने के भी निर्देश दिए हैं।

बाबा भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण, सक्रिय सदस्य सम्मेलन एवं वरिष्ठजनों का सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। बाबा भीमराव आंबेडकर जी की जयंती पर शंकर नगर वार्ड में महाराष्ट्र मंडल उद्यान में बाबा भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण, सक्रिय सदस्य सम्मेलन एवं वरिष्ठजनों के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष श्री रमेश ठाकुर जी ने इस अवसर पर बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके जीवन पर प्रकाश डाला साथ ही साथ वरिष्ठ जनों का सम्मान किया इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राम प्रजापति ने जिलाध्यक्ष श्री रमेश ठाकुर जी एवं नव नियुक्त जोन अध्यक्ष श्रीमती साधना प्रमोद साहू जी का शाल श्रीफल से अभिनन्दन किया। इस अवसर पर श्री रमेश ठाकुर जी ने सफल आयोजन हेतु समस्त शंकर नगर मंडल को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मंडल में निवासरत पार्षद साधना प्रमोद साहू जी, कैलाश बेहरा जी, राजेश गुप्ता जी, ज्ञानचंद चौधरी जी सहित जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारीगण, मोर्चा पदाधिकारीगण सहित नागरिक गण उपस्थित हुए। कार्यक्रम का आभार रामदास मानिकपुरी जी ने किया।

रायपुर रेल मंडल में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयंती मनाई गई

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 134वां जन्म दिवस 14 अप्रैल 2025 को अवकाश होने के कारण दिनांक 15 अप्रैल 2025 को मनाया गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल में आयोजित कार्यक्रम मे मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानद के द्वारा भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मंडल रेल प्रबंधक ने कहा की डॉ भीमराव अम्बेडकर जीवन के हर क्षेत्र -सामाजिक, आर्थिक और राजनिति में लोकतंत्र के पक्षधर थे। अंत में उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के जन्म दिवस के अवसर पर हम संकल्प लें कि रेल सेवा के माध्यम से हमें जो देश सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है उसे हम पूरे समर्पण, सदभावना, निष्ठा व ईमानदारी से हमारा लक्ष्य पूर्ण करना है। हम देश को समृद्ध बनाएंगे और देश की उन्नति में योगदान करेंगे।

अखिल भारतीय अनुसूचित जाति जनजाति रेलवे एंप्लाइज एसोसिएशन के डिविजनल प्रसीडेंट श्री भोली चौधरी ने डॉ. बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की जीवनी, उनसे आदर्शों शिक्षा के महत्व, संगठन एवं संघर्ष के महत्व पर चर्चा की, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे कांग्रेस यूनियन के डिविजनल कोर्डिनेटर श्री डी. विजय, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ओबीसी एशोसियसन के डिविजनल प्रेसिडेंट एच. प्रसाद राव एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा बाबा साहेब की जीवनी के बारे में बताया गया।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता के प्रतिभागियों में प्रथम-भोला चौधरी (डीजल लोको शेड), द्वितीय- दलगंजन सिंह (कार्मिक विभाग), तृतीय- रणजीत बेहरा (वाणिज्य विभाग) को सम्मानित किया।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री बजरंग अग्रवाल एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं यूनियन के पदाधिकारियों सहित रायपुर रेल मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री राहुल गर्ग द्वारा आज के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी की भागीदारी को सराहा कार्यक्रम के अंत में मंडल कार्मिक अधिकारी श्रीमती निकिता अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

लाइफ फिटनेस द्वारा दो दिवसीय क्रिकेट प्रीमियर लीग का आयोजन सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। लाइफ फिटनेस 24×7 जिम रायपुर की तरफ से 2 दिवसीय क्रिकेट प्रीमियर लीग का आयोजन दिनाक 12 अप्रैल 2025 शनिवार को log in turff मोवा में किया गया जिसमें सदस्यों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। ये मैच नॉक आउट मैच था जिसमें 8 टीमों ने भाग लिया। टीम के नाम सोल्जर्स, पावर पैन्थर्स, नाइट राईडर्स, पीयरलेस फाल्कन, ब्रेव टाइगर, एवेंजर्स, ब्रोक आफ्टर बाउण्ड्री, ग्रेट वॉरियर्स रखे गये थे।

इस 2 दिवसी मैच में पहले दिन 8 टीमों का आपस में मुकाबला हुआ जिसमें से नाईट राइडर्स, पॉवर पैंथर, सोल्जर्स, पियरलेस फाल्कन्स ने जीत के अपनी जगह सेमी फाइनल में बनाई, मैच के दौरान भी सदस्यों में भारी उत्साह देखने को मिला, ये क्रिकेट मैच का आयोजन लाइफ फिटनेस 24×7 जिम 3 साल से करवा रही है। फिर इस 2 दिवसीय मैच के दूसरे दिन 13-4-25 रविवार को इन टीम को आपस में मुक़ाबला हुआ जिसमें पहले मैच नाइट राइडर्स का मुक़ाबला सोल्जर्स से हुआ और दूसरा मैच फ़ियरलेस फाल्कन्स का पॉवर पैन्थर्स से हुआ जिसमें से नाइट राइडर्स ने सोल्जर्स को हराकर अपनी जगह फाइनल में बनाई और फियरलेस फ़ॉल्कन्स ने पॉवर पैन्थर्स को हरा कर अपनी जगह फाइनल में बनाई।

मैच अति रोमांचक हुआ, फाइनल मैच में नाइट राइडर्स ने फ़ियरलेस फ़ॉल्कन्स को हरा कर इस मुक़ाबले में जीत हासिल की। जीती हुई टीम के कैप्टेन आरफ़ शेख को जीत में ट्रॉफी और 25000/- नगद पुरस्कार दिया गया। इस मैच के मेन ऑफ द मैच लवीन मुलानी बने ! बैस्ट बॉलर आदित्य पांडे को मिला और रनर अप टीम फ़ियरलेस फ़ॉल्कन्स के कैप्टेन मानस मिश्रा को भी ट्रॉफी और 5000/- नगद पुरस्कार मिला। लाइफ फिटनेस 24×7 जिम में आख़िर में सभी टीम का और सारे सदस्य का धन्यवाद किया और सहयोग देने के लिए आभार प्रकट किया। ये जिम निरंतर 5 साल से रायपुर मोवा क्षेत्र में चन्द्र स्क्वेयर बिल्डिंग के 15000sp. फिट में स्थित है। लाइफ फिटनेस 24×7 जिम मोवा रायपुर अपनी सर्विस और साफ़ सफाई के लिए रायपुर के चुनिंदा जिम में से एक है।

ब्लॉक स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट से गूंजा फुलपाड़, ग्रामीण खेलों को मिली नई उड़ान

दंतेवाड़ा (विश्व परिवार)। ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फुलपाड़ ग्राम पंचायत एवं एएम/एनएस इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में ब्लॉक स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। यह आयोजन ब्लॉक कुआकोंडा, जिला दंतेवाड़ा के 16 पंचायतों की टीमों की भागीदारी के साथ 10 दिनों तक चलेगा। इस खेल महाकुंभ का शुभारंभ जनपद अध्यक्ष श्री सुकालू मुदामी, फुलपाड़ ग्राम पंचायत के सरपंच श्री राहुल वेत्ती तथा अहूनार पंचायत के सरपंच श्री बामन कश्यप ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में ग्रामीणों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बड़ी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति ने आयोजन को एक त्योहार का रूप दे दिया।

टूर्नामेंट का पहला मुकाबला कुआकोंडा और पलनार पंचायत की टीमों के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में कुआकोंडा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पलनार को 8 विकेट से हराया। बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए तुषार लोनिया को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। इस पूरे टूर्नामेंट का समन्वय इंदुल क्लब, फुलपाड़ द्वारा किया जा रहा है, जिसकी अध्यक्षता श्री कोसा मरकाम कर रहे हैं। टूर्नामेंट की सभी व्यवस्थाएँ बेहद सुनियोजित ढंग से की गई हैं, जिसमें स्थानीय युवाओं और स्वयंसेवकों का भी बड़ा योगदान है।

श्री कोसा मरकाम ने बताया कि इस टूर्नामेंट का उद्देश्य न केवल खिलाड़ियों को एक मंच देना है, बल्कि गाँवों के बीच आपसी सहयोग और खेल भावना को भी बढ़ावा देना है। उन्होंने यह भी बताया कि विजेता टीम को नकद पुरस्कार, ट्रॉफी और व्यक्तिगत उत्कृष्ट खिलाड़ियों को विशेष पुरस्कार दिए जाएंगे। आगामी दिनों में टूर्नामेंट के शेष मुकाबले और फाइनल मैच को लेकर खिलाड़ियों और दर्शकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। यह आयोजन न केवल फुलपाड़ बल्कि पूरे कुआकोंडा ब्लॉक को एकजुट कर रहा है और ग्रामीण क्षेत्र में खेलों को एक नई दिशा दे रहा है।

रणवीरपुर में भजन संध्या एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुईं पंडरिया विधायक भावना बोहरा, पद्मश्री अनुज शर्मा और आरूग बैंड की प्रस्तुति में झूमे भक्त

रायपुर (विश्व परिवार)। सोमवार को ग्राम रणवीरपुर में श्री शीतला माता प्राचीन मूर्ति के नूतन मंदिर प्रतिस्थापना के अवसर पर पद्मश्री अनुज शर्मा जी एवं आरूग बैंड द्वारा भव्य भजन संध्या के आयोजन में पंडरिया विधायक भावना बोहरा शामिल हुईं और ग्रामवासियों के साथ भजन संध्या में माताराती के भक्तिमय गीतों का रसपान किया। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और श्रद्धालुगण ने भजन संध्या में सहभागिता निभाई और माँ शीतला के नूतन मंदिर में दर्शन भी किये। ग्राम सेमरहा के बच्चों ने भी मंदिर में दर्शन कर भजन संध्या एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में मनमोहक भक्ति गीत की प्रस्तुती भी दी। इस अवसर पर राजनांदगांव सांसद श्री संतोष पाण्डेय जी ने भी मंदिर में दर्शन-पूजन किया और भजन संध्या एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में सम्मिलित होकर उपस्थित क्षेत्रवासियों को संबोधित कर बधाई व शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि माताराती की भक्ति से ओतप्रोत, श्रद्धा और ऊर्जा से परिपूर्ण इस संध्या ने सम्पूर्ण वातावरण को दिव्यता से आलोकित कर दिया। भाव-विभोर कर देने वाले भजनों ने मन को आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कराई। इस अवसर पर उन्होंने माँ शीतला के चरणों में नमन करते हुए जनकल्याण और छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि भजन संध्या एक आध्यात्मिक आयोजन है जिसमें भक्ति भजनों और गीतों के माध्यम से ईश्वर की भक्ति की जाती है। ऐसे आयोजन आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह आध्यात्मिक उन्नति का आधार है, भजन संध्या में भक्ति भजनों और कीर्तन के माध्यम से व्यक्ति ईश्वर के साथ गहरा संबंध स्थापित करता है। यह मन को शांति प्रदान करता है और आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ाता है। उन्होंने आगे कहा कि भक्ति भजन हमें मानसिक शांति प्रदान करता है, भजनों की मधुर धुनें और भक्ति भाव तनाव को कम करते हैं। यह ध्यान और एकाग्रता को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है वहीं यह सामाजिक एकता का भी प्रतीक है जिसमें लोग एक साथ आते हैं, जिससे समुदाय में एकता और भाईचारा बढ़ता है। यह सामाजिक बंधनों को मजबूत करता है। यह भारतीय संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने का माध्यम है। इसमें पारंपरिक भजनों और संगीत के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहर का प्रसार होता है। इसके साथ ही हमें नैतिक प्रेरणा, करुणा और सत्य के संदेश देते हैं, जो लोगों को अच्छे कर्म करने के लिए प्रेरित करते हैं।

कलेक्टर ने दिए खुले गड्ढों को भरने के निर्देश

रायपुर (विसं)। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक ली। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार में आवेदन लेने की प्रक्रिया समाप्त हो गई है। अब इन प्राप्त आवेदनों से प्राप्त समस्या का समाधान करें। गर्मी मौसम के मद्देनजर सभी पेयजल आपूर्ति का इंतजाम सुनिश्चित करें, बिगड़े हैंडपंप का सुधार कर लें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग गर्मी के मौसम के अनुसार दवाईयों का स्वास्थ्य केन्द्रों में व्यवस्था रखें। नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 की शुरूआत हो चुकी है। शिक्षा विभाग इसके आधार पर अपनी कार्ययोजना बनाकर तैयारी पूर्ण करें। कलेक्टर ने कहा कि सभी नगरीय निकायों में और सभी ग्रामीण क्षेत्रों में सीवरेज, बोर या अन्य किसी कारण से गड्ढे खोदे गए हैं तो उसे खुला ना छोडे या सुरक्षा के अन्य उपाय अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें।

सिपेट से मिल रही युवाओं को भविष्य की राह : विधायक मोतीलाल साहू

रायपुर (विश्व परिवार)। सिपेट से मिल रही युवाओं को भविष्य की राह यह उद्गार व्यक्त किये श्री मोतीलाल साहू, विधायक, रायपुर (ग्रामीण) द्वारा मौका था केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) में भ्रमण का। श्री मोतीलाल साहू, विधायक, रायपुर (ग्रामीण) द्वारा रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत रायपुर के भनपुरी औद्योगिक क्षेत्र मे स्थित केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) का भ्रमण कर सिपेट में संचालित पाठ्यक्रम, कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम, तकनीकी सेवाओं एवं मौजूद नवीनतम तकनीकी मशीनों का अवलोकन किया गया तथा सिपेट द्वारा प्रदान कि जा रही सेवाओं की प्रशंसा की गई।

भ्रमण उपरांत श्री मोतीलाल साहू, विधायक, रायपुर (ग्रामीण) कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के प्रारंभ में सिपेट संस्थान के प्रधान निदेशक एवं प्रमुख डॉ. आलोक साहू द्वारा मुख्य अतिथि श्री मोतीलाल साहू, विधायक, रायपुर (ग्रामीण), श्रीमती अम्बिका साहू, पार्षद, भनपुरी सहित उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों तथा प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत किया एवं सिपेट में संचालित विभिन्न लघु कालीन एवं दीर्घकालीन पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक करने के पश्चात सभी प्रशिक्षणार्थियों को शत-प्रतिशत नियोजन मिलता है।

मुख्य अतिथि श्री मोतीलाल साहू, विधायक, रायपुर (ग्रामीण) द्वारा संबोधन दिया गया, अपने उदगार में युवाओं को प्रेरणा देते हुए लगातार प्रयास करते हुए सभी प्रशिक्षणार्थियों को अपने जीवन में हमेशा कुछ नया सीखने तथा प्रत्येक कार्य में रुचि एवं पूर्ण लगन से करने पर सफल होने का संदेश दिया तथा माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा स्किल इंडिया की मुहिम को अंगीकार कर हर हाथ हुनर को साकार करते हुए लगातार बढते रहने का मन्त्र युवाओं को दिया गया। अपने उदबोधन में उन्होंने ने युवाओं को विकसित भारत@2047 के लक्ष्य कि प्राप्ति हेतु सामूहिक प्रयास एवं पूर्ण समर्पण का संकल्प युवाओ से लिया।

मुख्य अतिथि द्वारा अपने उदबोधन में सिपेट द्वारा चलाये जा रहे पाठ्यक्रम, कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा रोजगार के अवसर प्रदान कर युवाओं के भविष्य निर्माण के माध्यम से समाज, प्रदेश एवं देश के विकास में निभाई जा रही अग्रणी एवं प्रभावी भूमिका को प्रशंसा करते हुए उपस्थित जनप्रतिनिधियों को सिपेट कि गतिविधियों में क्षेत्र के युवाओ को जोड़ने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम के अंत में प्रशासनिक अधिकारी श्री नितेश जैन सिपेट द्वारा सहित उपस्थित सभी अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सिपेट, रायपुर के कार्मिक, प्रशिक्षनार्थियों कि बड़ी संख्या में उपस्थिति रही तथा कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रेल लाइनों के विकास को नई रफ्तार!

वित्तीय वर्ष 2024-25 में 200 किलोमीटर से अधिक रेल नेटवर्क विस्तार, यात्री सुविधाओं और क्षेत्रीय विकास को मिली नई उड़ान

रायपुर/बिलासपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में रेलवे नेटवर्क विस्तार और संरचना सुदृढ़ीकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएँ सफलतापूर्वक पूर्ण की गईं। इस वर्ष कुल 200.15 किलोमीटर रेल खंडों का निर्माण/कमीशनिंग कार्य पूर्ण हुआ, जिसकी कुल लागत 2896.53 करोड़ रुपए रही।

इन परियोजनाओं में अनूपपुर-कटनी तीसरी रेललाइन परियोजना के अंतर्गत कुल 91.52 किलोमीटर लंबी रेल लाइन का निर्माण एवं कमीशनिंग किया गया, जिसमें बधवाबारा-घुंघुटी (13.00 किमी), घुंघुटी-मुदरिया (10.70 किमी), मुदरिया-बीरसिंहपुर (5.60 किमी), उमरिया-लोरहा (10.00 किमी), चंदिया रोड-विलायतकलां (9.50 किमी), बीरसिंहपुर-नवरोज़ाबाद (6.90 किमी), नवरोज़ाबाद-करकेली (10.20 किमी) तथा करकेली-उमरिया (12.42 किमी) रेलखंड शामिल है।

इसी प्रकार तीसरी लाइन की ही एक और महत्वपूर्ण परियोजना राजनांदगांव-नागपुर तीसरी रेललाइन परियोजना के अंतर्गत 63.96 किलोमीटर रेल खंडों पर कार्य पूरा किया गया, जिनमें पनियाजोब-बोरतलाव (8.00 किमी), कांपटी- कलमना (7.72 किमी), सालेकसा-धनोली (7.00 किमी), गुदमा-गोंदिया (10.00 किमी), गोंदिया-गंगाझरी (13.74 किमी) तथा आरओआर गोंदिया (13.50 किमी) शामिल है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में चल रही चौथी रेल लाइन की परियोजना बिलासपुर-झारसुगुड़ा चौथी रेललाइन परियोजना के तहत 54.57 किलोमीटर रेलखंडों का निर्माण किया गया। इनमें बिलासपुर-गतोरा (8.00 किमी), रॉबर्टसन-भूपदेवपुर (9.30 किमी), किरोडीमलनगर-रायगढ़ (10.27 किमी), रायगढ़-कोतरलिया (9.00 किमी) एवं कोतरलिया-जामगा (8.00 किमी) चौथी रेल लाइन शामिल है। इसके साथ ही केन्द्री-धमतरी एवं अभनपुर-राजिम गेज परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत अभनपुर से राजिम के मध्य (17.30 किमी) रेल लाइन का कार्य पूर्ण किया गया है।

इन परियोजनाओं की पूर्णता से क्षमता आवर्धन के साथ न केवल रेलवे की वर्तमान ट्रैफिक क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि होगी, बल्कि यात्री एवं माल परिवहन में गति, समयबद्धता और सुगमता भी सुनिश्चित होगी। व्यावसायिक क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क मिलने से क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी। साथ ही वैकल्पिक मार्गों की उपलब्धता से भीड़-भाड़ में कमी आएगी और आपातकालीन परिस्थितियों में संचालन निर्बाध रहेगा। साथ ही इन परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन से रेलवे का हरित विकास भी सुनिश्चित होगा।

इन सभी लाइनों के निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात नॉन इंटरलॉकिंग प्रक्रियाओं के माध्यम से उन्हें संबंधित स्टेशनों से जोड़ा जाता है। इस दौरान यार्ड मॉडिफिकेशन, ट्रैक की लिंकिंग एवं सिग्नलिंग कार्य किए जाते हैं इस दौरान संबंधित रेलमार्ग की अधिकांश यात्री ट्रेनों को भी अस्थायी रूप से रद्द अथवा उनके मार्ग परिवर्तित करने की आवश्यकता पड़ती है। इसलिए यात्रियों से भी अनुरोध है कि भविष्य की आवश्यकताओं एवं सुविधाओं के लिए इन विकास कार्यों में रेलवे प्रशासन को सहयोग प्रदान करें।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354